राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार17अक्टूबर2020 वर्ष-3, अंक -261 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फेसबुक-ट्विटर पर मुस्लिम रेजीमेंट के झूठ पर कारवाई की मांग

नई दिल्ली। सेवानिवृत्त 120 सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को पत्र लिखकर कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और ट्विटर पर यह झूठ फैलाया जा रहा है कि भारतीय सेना की एक मुस्लिम रेजीमेंट ने 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में लड़ने से इन्कार कर दिया था। पत्र में इस मामले की जांच करने और यह पोस्ट बनाकर फैलाने वालों के खिलाफ निष्पक्ष, कड़ी और तत्काल कार्रवाई करने की मांग की गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी संदर्भित इस पत्र में कहा गया है कि मुस्लिम रेजीमेंट वाली ऐसी पोस्ट पूरी तरह झूठी हैं क्योंकि भारतीय सेना में 1965 या कभी भी मुस्लिम रेजीमेंट नहीं थी। इस पत्र पर पूर्व नौसेना अध्यक्ष एडमिरल लक्ष्मीनारायण रामदास, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) रामदास मोहन, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) आरके नानावटी, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विजय ओबेराय और कई अन्य अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए हैं। पत्र के मुताबिक, यह पोस्ट देश विरोधी ताकतों द्वारा फैलाई जा रही है जो देश की सुरक्षा और देशवासियों के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी। एक पूर्व अधिकारी ने तो यहां तक कहा कि यह पोस्ट पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ की तरफ से फैलाई जा रही है।

घरेलू हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, पति के किसी भी रिश्तेदार के घर में पत्नी को रहने का हक

नई दिल्ली। बेटियों को सम्पत्ति में जन्म से ही अधिकार देने के फैसले बाद सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के पक्ष में एक और ऐतिहासिक फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि घरेलू हिंसा की शिकार महिला के लिए घर का मतलब पति के किसी भी रिश्तेदार का आवास भी है। उसे उनके घर में रहने का अधिकार दिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए घरेलू हिंसा कानून, 2005 की धारा 2 (एस) का दायरा विस्तारित कर दिया। इस धारा में पति के साझाघर की परिभाषा है। इसके अनुसार हिंसा के बाद घर से निकाली महिला को साझाघर में रहने का अधिकार है। अब तक

ये साझा घर पति का घर, चाहे ये किराए पर हो या संयुक्त परिवार का घर, जिसका पति सदस्य हो, माना जाता था। इसमें ससुरालियों के घर शामिल नहीं थे।

वर्ष 2007 (एसआर बत्रा बनाम तरुणा बत्रा) में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा था कि साझा घर में इनलाज (ससुरालियों/रिश्तेदारों) के घर शामिल नहीं होंगे। लेकिन अब शीर्ष कोर्ट ने अपने दो जजों की पीठ के इस फैसले को पलट दिया और गुरुवार को दिए फैसले में कहा कि धारा 2(एस) में साझा घर की परिभाषा को पति की रिहायश और उसके संयुक्त परिवार की संपत्ति तक ही सीमित नहीं किया जा सकता, बल्कि इसमें पति के किसी भी रिश्तेदार का घर भी शामिल होगा।

महिला को वहां आवास के लिए भेजा जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि इस कानून का मकसद महिलाओं को उच्चतर अधिकार देना है। इसका ये भी इरादा है कि परिवार में घरेलू हिंसा की पीड़ित महिला को अधिकारों का अधिक प्रभावी संरक्षण मुहैया करवाया जाए। ऐसे में कानून को उसके उद्देश्य के हिसाब से व्याख्यायित करना पड़ेगा।

पीठ दिल्ली हाईकोर्ट के एक फैसले के खिलाफ अपील पर सुनवाई कर रही थी। इस मामले में पति ने कहा था कि उसका कोई घर नहीं है और वह अपने पिता के घर में रहता है जो पुश्तैनी नहीं है। इस घर को धारा 2 के अनुसार शेयर्ड हाउसहोल्ड यानी साझा घर नहीं कहा जा सकता। ट्रायल कोर्ट ने पति कि याचिका को स्वीकार कर लिया और पत्नी को आदेश दिया था कि वह 15 दिन में घर खाली कर दे। इस आदेश के खिलाफ पत्नी हाईकोर्ट गई और हाईकोर्ट ने मामला फिर से विचार करने के लिए ट्रायल कोर्ट को भेज दिया। इस आदेश के खिलाफ उसके ससुर सुप्रीम कोर्ट में अपील करने आए थे।

बिहार चुनाव में कांग्रेस ने दे दिया NDA को वॉकओवर ? कहीं राजद महागठबंधन की लुटिया न डूबो दे पार्टी की यह रणनीति

नई दिल्ली। बिहार चुनाव के लिए कांग्रेस ने अभी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। पर पार्टी ने जिस तरह उम्मीदवारों का चयन कर उन्हें प्रत्याशी बनाया है, उसको लेकर प्रदेश कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता नाराज हैं। सबसे ज्यादा नाराजगी वरिष्ठ नेताओं के बेटे-बेटियों और रिश्तेदारों टिकट को लेकर है। क्योंकि, इन सीटों पर कार्यकर्ताओं की अनदेखी हुई है।

कांग्रेस के टिकट बंटवारे से प्रदेश कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता नाराज हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि जिस तरह उम्मीदवार घोषित किए गए हैं, उससे रणनीति का आभाव दिखता है। पार्टी को डर है कि उम्मीदवारों के नाम घोषित होने पर हंगामा बढ़ सकता है। इसलिए, ज्यादातर उम्मीदवारों को पार्टी का चुनाव चिन्ह देने के बावजूद नाम घोषित नहीं किए हैं।

महागठबंधन में होगा बेड़ा पार? बिहार में अस्तित्व बचाने की जंग में कितने सफल होंगे वामदल?

कार्यकर्ताओं को दूसरे जिलों में टिकट-प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि चुनाव में सभी पार्टियों की तरफ से घोषित उम्मीदारों का आंकलन करें, तो सबसे कमजोर

प्रत्याशी कांग्रेस ने घोषित किए हैं। करीब डेढ दर्जन सीट ऐसी हैं, जहां हमने एनडीए को वॉकओवर दे दिया है। पार्टी ने थोड़े बहुत जिन कार्यकर्ताओं को टिकट दिया है, तो उन्हें दूसरे शहर में अंजान सीट पर प्रत्याशी बनाया है। यह बात समझ से परे है कि पार्टी ने प्रत्याशियों के चयन की पूरी कवायद क्यों की थी।

बेटे-बेटी और रिश्तेदारों को टिकट

पार्टी नेताओ का कहना है कि पार्टी ने सिर्फ बड़े नेताओं के बेटे-बेटियों को टिकट देने के लिए कार्यकर्ता की अनदेखी की है। कई नेताओं के रिश्तेदारों को भी टिकट दिया गया है। इस फेहरिस्त में मशहूर फिल्म अभिनेता शत्रुघन सिन्हा के बेटे लव सिन्हा और वरिष्ठ नेता शरद की बेटे सुभाषिनी यादव सहित कई नेताओं के बेटे बेटियां और रिश्तेदारों के नाम शामिल हैं।

भाजपा को दिया मुद्दा

इसके साथ पार्टी ने अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष मश्कूर उस्मानी को जाले सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। मशकूर दरभंगा के लालबाग में सीएए के खिलाफ हुए प्रदर्शन में शामिल रहे हैं। इसके साथ एएमयू छात्रसंघ हॉल में लगी मोहम्मद अली जिन्ना की तस्वीर पर हुए विवाद भी शामिल रहे हैं। छात्र संघ के अध्यक्ष के तौर पर भाजपा पर पलटवार किया था।

दूरसंचार विभाग ने किया आग्रह, स्पेक्ट्रम खाली करें अंतरिक्ष व रक्षा विभाग

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने अंतरिक्ष विभाग और रक्षा विभाग से उनके पास पड़ा स्पेक्ट्रम खाली करने का आग्रह किया है। डीओटी का कहना है कि देश में 5जी सेवा शुरू करने में मदद के लिए मीडियम और हाई रेंज स्पेक्ट्रम बैंड्स की जरूरत है। डीओटी के मुताबिक स्पेक्ट्रम से जुड़े मुद्दे सुलझाने के लिए कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता में गठित समिति में इस पर चर्चा की गई। डीओटी, अंतरिक्ष विभाग और रक्षा विभाग में स्पेक्ट्रम को लेकर कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं। इससे देश में 5जी सेवा शुरू करने में देरी हो रही है। सरकार ने इससे पहले इसी वर्ष 5जी सेवा शुरू कर देने का लक्ष्य रखा था। लेकिन मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए अब अगले वर्ष की शुरुआत में इसके शुरू होने की संभावना है।

हर्षवर्धन ने कहा, खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा की ओर बढ़ने की जरूरत

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने 'ईट राइट इंडिया मूवमेंट' के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा की तरफ बढ़ने पर जोर दिया। उन्होंने अन्य संबंधित मंत्रालयों से अपील की कि साझा उद्देश्य और रणनीति तय करने के लिए साझा मंच बनाएं। हर्षवर्धन ने 'ईट राइट इंडिया मूवमेंट' के विजन 2050 को हासिल करने के लिए आयोजित एफएसएसएआइ और विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंत्री ने भारत में खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों के आर्थिक बोझ का संज्ञान लिया। बयान के अनुसार, हर्षवर्धन ने कहा कि खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा की तरफ बढ़ने के लिए संबंधित मंत्रालयों को एकजुट होना चाहिए। साझा मंच बनाकर साझा लक्ष्य और रणनीति बनाई जा सके और उसी मुताबिक उनके कार्यों में समन्वय लाया जा सके।

कोरोना काल में 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा... FAO की 75वीं वर्षगांठ पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। आज संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की 75वीं वर्षगांठ है। इस अवसर पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 75 रुपये का स्मृति सिक्का जारी किया। साथ ही वह हाल ही में विकसित की गई आठ फसलों की 17 जैव संवर्धित किस्मों को भी राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान ने कहा कि कुपोषण से निपटने के लिए देश में ऐसी फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसमें पौष्टिक पदार्थ- जैसे प्रोटीन, आयरन, जिंक इत्यादि ज्यादा होते हैं। अपने संबोधन की शुरुआत में उन्होंने सबसे पहले वर्ल्ड फूड डे के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में जो लोग कुपोषण को दूर करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं, मैं उन्हें भी बधाई देता हूं। तो चलिए जानते हैं पीएम मोदी के संबोधन की खास बातें...

1.भारत के हमारे किसान साथी- हमारे अन्नदाता, हमारे कृषि वैज्ञानिक, हमारे आंगनबाड़ी-आशा कार्यकर्ता, कुपोषण के खिलाफ आंदोलन का आधार हैं। इन्होंने अपने परिश्रम से जहां भारत का अन्न भंडार भर रखा है, वहीं दूर-सुदूर, गरीब से गरीब तक पहुंचने में ये सरकार की मदद भी कर रहे हैं। इन सभी के प्रयासों से ही भारत कोरोना के इस संकटकाल में भी कुपोषण के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ रहा है।

2. खाद्य और कृषि संगठन के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम को इस वर्ष का नोबल शांति पुरस्कार मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है और भारत को खुशी है कि इसमें भी हमारी साझेदारी और हमारा जुड़ाव ऐतिहासिक रहा है। 2014 के बाद देश में नए सिरे से प्रयास शुरू किए गए। हम इंटिग्रेटेड अप्रोच लेकर आगे बढ़े, होलिस्टिक अप्रोच लेकर आगे बढ़े। तमाम स्ब्ब्ग्रश्ह्ब को समाप्त करके हमने एक मल्टी डामेंशनल रणनीति पर काम शुरू किया।

3. कुपोषण से निपटने के लिए एक और महत्वपूर्ण दिशा में काम हो रहा है।

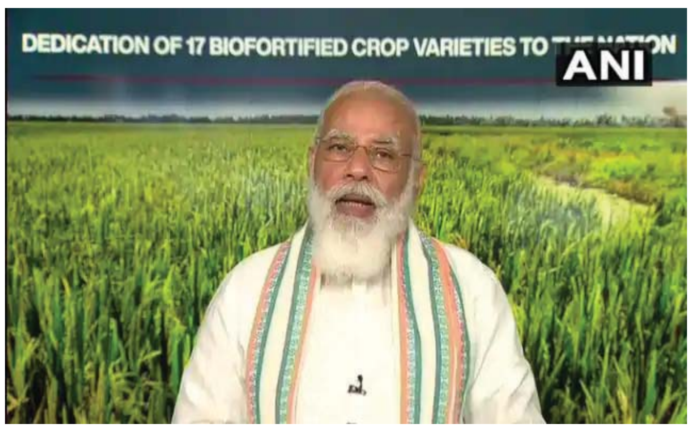

अब देश में ऐसी फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है जिसमें पौष्टिक पदार्थ- जैसे प्रोटीन, आयरन, जिंक इत्यादि ज्यादा होते हैं। मैं आज स्ब्रह को विशेष धन्यवाद देता हूं कि उसने वर्ष 2023 को International Year of Millets घोषित करने के भारत के प्रस्ताव को पूरा समर्थन दिया है।

4. वर्ष 2023 को International Year of Millets घोषित करने के प्रस्ताव के पीछे भी कुछ इसी तरह की भावना है। इससे भारत ही नहीं विश्व भर को दो बड़े फायदे होंगे एक तो पौष्टिक आहार प्रोत्साहित होंगे, उनकी उपलब्धता और बढ़ेगी और दूसरा- जो छोटे किसान होते हैं, जिनके पास कम जमीन होती है, उन्हें बहुत लाभ होगा।

5. भारत में पोषण अभियान को ताकत देने वाला एक और अहम कदम आज उठाया गया है। आज गेहूं और धान सहित अनेक फसलों के 17 नए बीजों की वैरायटी, देश के किसानों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। बीते कुछ महीनों में पूरे विश्व में कोरोना संकट के दौरान भुखमरी-कुपोषण को लेकर अनेक तरह की चर्चाएं हो रही हैं। बड़े-बड़े एक्सपर्ट्स अपनी चिंताएं जता रहे हैं कि क्या होगा, कैसे होगा? इन चिंताओं के बीच, भारत पिछले 7-8 महीनों से लगभग 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध करा रहा है।

6. इस दौरान भारत ने करीब-करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपए का खाद्यान्न गरीबों को मुफ्त बांटा है। क्या आप जानते हैं कि कोरोना के कारण जहां पूरी दुनिया संघर्ष कर रही है, वहीं भारत के किसानों ने इस बार पिछले साल के प्रोडक्शन के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया? क्या आप जानते हैं कि सरकार ने गेहूं, धान और दालें सभी प्रकार के खाद्यान्न की खरीद के अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आज भारत में निरंतर ऐसे रिफॉर्म्स किए जा रहे हैं जो Global Food Security के प्रति भारत के Commitment को दिखाते हैं। खेती और किसान को सशक्त करने से लेकर भारत के Public Distribution System तक में एक के बाद एक सुधार किए जा रहे हैं

7.किसानों को लागत का डेढ़ गुणा दाम MSP के रूप में मिले, इसके लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। एमएसपी और सरकारी खरीद, देश की फूड सिक्योरिटी का अहम हिस्सा हैं। इसलिए इनका जारी रहना स्वभाविक है। छोटे किसानों को ताकत देने के लिए, Farmer Producer Organizations यानी FPOs का एक बड़ा नेटवर्क देश में तैयार किया जा रहा है। भारत में अनाज की बर्बादी हमेशा से बहुत बड़ी समस्या रही है। अब जब Essential Commodities Act में संशोधन किया गया है, इससे स्थितियां बदलेंगी।

एशिया की सबसे लंबी जोजिला टनल को छह के बजाए चार साल में पूरा करने का लक्ष्य-नितिन गडकरी

नई दिल्ली। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि श्रीनगर-लेह को जोड़ने वाली जोजिला टनल परियोजना को छह साल के बजाए चार साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सामाजिक व सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण एशिया की सबसे बड़ी टनल परियोजना से दिल्ली-श्रीनगर की लेह-लद्दाख तक सालभर रोड़ कनेक्टिविटी बनी रहेगी। आवश्यक वस्तुएं, दवाइयां, सैन्य रसद, पर्यटक आदि की आवाजाही निर्बाध होती रहेगी। वर्तमान में बर्फबारी के कारण लद्दाख छह से सात महीने के लिए देश के बाकी हिस्से से कट जाता है। जिससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। गडकरी ने बृहस्पतिवार को बेबिनार के जरिए बटन दबाकर 14.14 किलोमीटर लंबी जोजिला टनल में पहला ब्लास्ट (धमाका) कर निर्माण कार्य की शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इटली, फ्रांस, नार्वे आदि देशों की तकनीक से जोजिला टनल को सिग्नल ट्यूब में बनाया जा रहा है। इससे टनल परियोजना की लागत में 4000 करोड़ रुपये की बचत की गई वहीं इसको छह साल के बजाए चार साल में पूरा किया जाएगा। टनल निर्माण में सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया गया है। टनल की खुदाई में 33 लाख टन मलबा निकलेगा इससे सड़क निर्माण में प्रयोग कर 500 करोड़ रुपये बजाए जाएंगे। इसके

लिए एनएचएआईडीसीएल व मंत्रालय के अधिकारी बधाई के पात्र हैं। गडकरी ने कहा कि जोजिला व जेड मोड टनल की कनेक्टिविटी के लिए 18.63 किलोमीटर लंबी अप्रोच रोड बनाई जा रही है। एशिया की सबसे लंबी जोजिला टनल के पास 12 से 15 एकड़ क्षेत्रफल में कई पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किए जाएंगे। इसके लिए स्नो गैलरी की संकल्पना की गई है। निर्माण कंपनी को हिदायद दी गई है कि टनल निर्माण के लिए लेह, लद्दाख के स्थानीय कंपनियों को काम दिया जाए। जिससे क्षेत्रीय युवाओं को काम मिल सके। टनल बनने से लेह लद्दाख में पर्यटन को बढ़ा दिया जा सकेगा। इससे क्षेत्र में तेजी से आर्थिक विकास होगा। इस क्षेत्र में एमएसएमई सेक्टर को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

कोरोना काल-रेलवे के यात्री रेवेन्यू में घाटे की भरपाई माल भाड़े से करने की कोशिश

नई दिल्ली। कोविड-19 के कारण यात्री ट्रेनों के राजस्व में गिरावट के बीच रेलवे को बढ़ी माल ढुलाई के दम पर चालू वित्त वर्ष में मुनाफे में रहने की उम्मीद है। रेल बोर्ड के अध्यक्ष व सीईओ विनोद कुमार यादव ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में माल ढुलाई से प्राप्त राजस्व पिछले साल की तुलना में अधिक रहने की उम्मीद है, जबकि यात्री किराये से प्राप्त राजस्व में गिरावट आयेगी। यादव ने कहा कि त्यौहारों के लिए 416 विशेष ट्रेनें चलाई जा रही है और जरूरत पड़ी तो इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। रेलवे अभी सभी तरह की 1098 विशेष यात्री ट्रेनों का संचालन कर रही है। यादव ने गुरुवार को वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस के जरिए कहा कि यात्री ट्रेनों के कम चलने से उससे आने वाला राजस्व घटा है। ऐसे मे ट्रेनों के रखरखाव पर लागत कम करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रयास है कि परिचालन अनुपात पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कम से कम खराब न हो। यादव ने कहा कि अक्टूबर में माल ढुलाई और यात्रियों की संख्या दोनों में बहुत सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि अक्टूबर महीने में 13 तारीख तक रेलवे ने 4.35 करोड़ टन की माल ढुलाई की है। पिछले साल इसी अवधि में यह आँकड़ा 3.69 करोड़ टन रहा था। इस प्रकार माल परिवहन 18

प्रतिशत बढ़ा है। इस दौरान माल ढुलाई से प्राप्त राजस्व भी 3,716.65 करोड़ रुपये से 11 प्रतिशत बढ़कर 4,124.12 करोड़ रुपये पर पहुँच गया। अक्टूबर के पहले 13 दिन में रेलवे ने रोजाना औसतन 53,774 वैगन लोड किये जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आँकड़ा 46,168 वैगन रोजाना रहा था। ऑटो मोबाइल की लोडिंग भी रोजाना 74 रैक से बढ़कर 126 रैक के औसत पर पहुँच गई।

गुड्स शेड योजना-यादव ने कहा कि रेलवे ने माल ढुलाई बढ़ाने के लिए बुधवार को 'गुड्स शेड' विकसित करने के लिए एक नयी नीति लॉन्च की है। इसके तहत कोई निजी निवेशक यदि पहले से बने रेलवे के 'गुड्स शेड' को विकसित करना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है। विकसित करने के बाद उसे इसके परिचालन का अधिकार होगा। साथ ही किसी छोटे स्टेशन पर कोई निजी निवेशक नया 'गुड्स शेड' बनाना चाहता है तो उसे भी परिचालन का अधिकार मिल जायेगा। हालाँकि 'गुड्स शेड' बनने के बाद उसे रेलवे को स्थानांतरित करना पड़ेगा। निजी निवेशक का चयन प्रतिस्पर्द्धी बोली प्रक्रिया के जरिये किया जायेगा। इसके लिए मंडल स्तर पर निविदा जारी की जायेगी। विकसित करने वाली कंपनी को टर्मिनल शुल्क और टर्मिनल ऐक्सेस शुल्क से राजस्व प्राप्त होगा। इन दोनों में जो कंपनी सबसे अधिक हिस्सेदारी रेलवे को देगी उसे परियोजना का ठेका मिलेगा। रेलवे ने माल परिवहन कारोबार विकास के लिए एक पोर्टल भी लॉन्च किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

लोकप्रियता की लड़ाई

यह इस दौर की विडंबना है कि जिन संस्थाओं के ऊपर देश, संविधान के अतिरिक्त समाज के हाशिये पर पड़े आखिरी नागरिक के हितों की रक्षा की जिम्मेदारी है, उन्हें अपनी ही साख की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। कथित टेलीविजन रेटिंग प्वॉइंट (टीआरपी) घोटाला इसकी सबसे ताजा नजीर है। पिछले दिनों मुंबई पुलिस ने इस तथाकथित भ्रष्टाचार का खुलासा करते हुए दो मराठी चैनल मालिकों को हिरासत में लिया था और एक अन्य चैनल से पूछताछ अभी जारी है। ऐसे में, रेटिंग एजेंसी ब्रॉडकास्ट ऑडिएंस रिसर्च कौंसिल (बार्क) ने फैसला किया है कि अगले तीन महीनों तक वह न्यूज चैनलों की लोकप्रियता रेटिंग जारी नहीं करेगी। बार्क का यह फैसला बिल्कुल मुनासिब है, और इस अवधि का इस्तेमाल उसे अपने सिस्टम की खामियों को दुरुस्त करने और एक पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने के लिए करना चाहिए। यह न सिर्फ रेटिंग एजेंसी, बल्कि पूरे न्यूज मीडिया के हक में है। टीआरपी की आपसी होड़, उसको लेकर पैदा हुए विवाद, कोई आज की बात नहीं हैं। यह काफी पुराना मसला है। हां, आज से पहले कभी इसको इतनी गंभीरता से नहीं लिया गया। दरअसल, पिछले कुछ पखवाड़ों के घटनाक्रमों ने यह आशंका पैदा की है कि टीआरपी का आधार पत्रकारीय प्रतिस्पर्द्धा से अर्जित लोकप्रियता नहीं, बल्कि दूसरे तमाम खेल हैं। निस्संदेह, न्यूज मीडिया भी एक इंडस्ट्री है, और उसके ठोस आर्थिक पक्ष हैं। मगर हम नहीं भूल सकते कि इसका मूल आधार तथ्यपरक खबर है और पत्रकारिता के स्थापित मूल्यों के संरक्षण का दायित्व भी उसके कंधों पर है। पर जिस तरह से यह पूरा मामला सामने आया है, उसने पूरी रेटिंग प्रक्रिया और उसकी पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। देश के करीब 20 करोड़ घरों में टीवी लगे हैं और दर्शक संख्या 80 करोड़ से अधिक है। ब्योरों के मुताबिक, सिर्फ 44 हजार घरों में टीआरपी मीटर लगे हुए हैं। इनमें से भी ज्यादातर मनोरंजन चैनलों के आकलन के लिएहैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि प्रति एक लाख टीवी सेट पर सिर्फ चार की दर्शक अभिरुचि के जरिए हिंदी न्यूज चैनलों की रेटिंग होती है। अंग्रेजी न्यूज चैनलों की तो इससे भी कम पर। जाहिर है, यह बेहद छोटा सैंपल है, और इतने छोटे सैंपल में गड़बड़ियों की आशंका रहेगी ही। तब तो और, जब इस बिना पर करीब 40 हजार करोड़ रुपये के विज्ञापन-बाजार में अपने लिए बेहतर संभावनाएं तलाशनी हों। किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र में न्यूज मीडिया को पूरी स्वायत्तता इसीलिए हासिल है, क्योंकि उसे एक प्रहरी की भूमिका मिली हुई है। यही वजह है कि उसे आत्म-नियमन के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। इस तरह की घटनाएं न सिर्फ जनता के भरोसे को डिगाती हैं, बल्कि सरकारी हस्तक्षेप के अवसर भी पैदा करती हैं। बेहतर होगा कि इस अप्रिय विवाद से जरूरी सबक लेते हुए कुछ अन्य रेटिंग एजेंसियों की भी गुंजाइश बने, ताकि किसी एक का दबदबा न कायम हो सके और स्वस्थ व पारदर्शी तरीके से लोकप्रियता का आकलन हो सके। साफ है, विज्ञापन उद्योग को मानक आंकड़े चाहिए और टीवी मीडिया उद्योग को अपने हित में इसकी व्यवस्था करनी ही होगी। यकीनन, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की भी इन सब पर निगाह होगी। लेकिन असली चिंता न्यूज मीडिया को करनी पड़ेगी, साख उसी की दांव पर है।

आज के ट्वीट

समन

अर्नब गोस्वामी जो भी गलत/सही कर रहे उसपर फैसला सुनाने का अधिकार या तो देश की अदालतों का है या जनता की अदालत का। महाराष्ट्र विधानसभा में उन्हें समन किया जाना नेताओं की तानाशाही नहीं तो क्या है?ये मत भूलिए कि आप भी जनसेवक हैं,राजा नहीं।PM को नीच बुलानेवाले तक को कोई समन नहीं गया था

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

भक्ति

जग्गी वासुदेव/ भारतीय संस्कृति में यह बिल्कुल भी जरूरी नहीं है कि आप किसी मंदिर में जाएं। हर कोई, वो चाहे जहां हो, एक पल में, किसी भी चीज को भगवान बना सकता है। यह एक अद्भुत तकनीक है, निर्माण करने की एक जबरदस्त कुशलता है। किसी पत्थर के टुकड़े को भी भगवान बनाया जा सकता है और आप देखेंगे कि कल सुबह हजारों लोग उसकी पूजा कर रहे होंगे। एक पत्थर के टुकड़े के सामने भी झुक जाने की इनकी इच्छा गजब की है। किसी के सामने झुक जाने के लिए तैयार रहना इनके लिए इतना आसान है, पर साथ ही यह एक शक्तिशाली साधन रहा है। कोई पेड़, फूल, पत्थर, लकड़ी-कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो क्या है- लोग उसके आगे परम श्रद्धा से झुकने के लिए तैयार रहते हैं। इस सरल सी तैयारी ने भारत में भौतिकता के पार जाने वाले सबसे ज्यादा लोग तैयार किए। यही कारण है कि इस जमीन और इस संस्कृति को अनगिनत आत्मज्ञानी मिले। सारी दुनिया में, कहीं भी, अगर लोगों को झुकना है तो उनके आगे एक खास तरह का आकार होना चाहिए, नहीं तो वे नहीं झुक सकते। पर अगर आप एक पत्थर या छड़ी, एक कीड़े या चिड़िया के सामने झुकने को तैयार हैं, तो उनमें से कोई भी आपके लिए एक रास्ता बन सकता है, और आपके लिए कोई दरवाजा खोल सकता है-फिर आपके लिए संभावनाओं का कोई अंत नहीं है। इस रु झान की वजह से लोगों ने हर कहीं करोड़ों संभावनाएं खोल दीं। भक्ति का मतलब है एक खास निष्ठा-यानी आपका पूरा ध्यान हमेशा एक ही चीज में है। अगर आप लगातार एक ही चीज पर पूरा ध्यान दे रहे हैं, तो आप ऐसे हो जाते हैं कि आपके विचार, आपकी भावनाएं और सब कुछ बस उस एक ही दिशा में लग जाते हैं, और तब 'कृपा' स्वाभाविक रूप से होगी क्योंकि आप ग्रहणशील बन जाते हैं। आप किस चीज या किस व्यक्ति के भक्त हैं, यह कोई मुद्दा नहीं है। अगर आप यह सोचते हैं, 'नहीं! मैं एक भक्त होना चाहता हूं पर मुझे शंका है कि भगवान हैं या नहीं'-तो यह एक सोचने वाले मन की दशा है। आपको यह जानना जरूरी है कि भगवान नहीं हैं पर जहां कोई भक्त है, वहां भगवान हैं। भक्ति की शक्ति ऐसी है कि वो सृष्टिकर्ता को भी बना सकती है। हम जिसे भक्ति कहते हैं, उसकी गहराई ऐसी है कि चाहे भगवान का अस्तित्व न हो, तो भक्ति भगवान का अस्तित्व बना भी सकती है।

अंधेरी राह में रोशनी करने का वक्त

विश्वनाथ सचदेव

पच्चीस साल पुरानी बात है। दूरदर्शन के डीडी मेट्रो पर रात के दस बजकर बीस मिनट पर एक कार्यक्रम आता था-आज तक। यह शुरुआत एस.पी. सिंह ने की थी और जब वे अंत में कहते थे 'यह थे समाचार आज तक, इंतज़ार कीजिए कल तक' तो सचमुच दर्शक चौबीस घंटे बाद का इंतज़ार करने लगते थे। भले ही यह कार्यक्रम सरकारी चैनल पर समय किराये पर लेकर होता था, पर इसने अपनी एक विश्वसनीयता बनायी थी। एक तरह से यह शुरुआत थी निजी समाचार चैनलों की। आज देश में चार सौ से अधिक समाचार चैनल हैं जो चौबीसों घंटे समाचार के नाम पर कुछ न कुछ परोस रहे हैं। पच्चीस साल पहले 'आज तक' ने समाचारों की दुनिया में विश्वसनीयता का एक माहौल बनाने की कोशिश की थी, आज समाचारों के साथ विश्वसनीयता का जुड़ना एक मज़ाक बन कर रह गया है। अपवाद हैं, इसमें संदेह नहीं, पर हकीकत यह है कि समाचारों की दुनिया एक शोर मचाऊ जंगल का रूप ले चुकी है। प्रिंट मीडिया यानी अखबारों से तो फिर भी विश्वसनीयता की गंध आ जाती है, पर सारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया यानी टीवी के समाचार चैनल इस प्रतियोगिता में लगे हैं कि सबसे अधिक अविश्वसनीय कौन है! जानकारी देना मीडिया का कर्तव्य है और सही जानकारी पाना दर्शकों-श्रोताओं का अधिकार। पर जहां मीडिया अपने हितों को देखते हुए यह तय कर रहा है कि दर्शक को क्या जानकारी देनी चाहिए, वहीं ठगा-सा दर्शक यह नहीं समझ पा रहा कि जानकारी के नाम पर उसे जो परोसा जा रहा है, वह कितना उचित या सही है। इस वाक्य में 'अपने हितों' को मैं रेखांकित करना चाहूंगा। अक्सर इसका मतलब अपना आर्थिक लाभ ही होता है। यह विडम्बना ही है कि आज अधिसंख्य समाचार चैनल किसी व्यक्ति-विशेष, किसी राजनीतिक दल के साथ जुड़े दिखाई दे रहे हैं। प्रिंट मीडिया में भी एक सीमा तक ऐसी स्थिति दिख जाती है, पर टीवी के समाचार चैनलों ने तो जैसे हदें ही पार कर दी हैं। भले ही कुछ पत्रकार यह समझ रहे हों कि वे राजनीति चला रहे हैं, पर दुर्भाग्य से हकीकत यह है कि राजनीति के हाथ में हमारी पत्रकारिता की नकेल है। सालों पहले देश के एक नामी पत्रकार ने कहा था, 'देश में प्रधानमंत्री के बाद दूसरे नम्बर का महत्वपूर्ण व्यक्ति मैं हूं।' यह सज्जन एक बड़े अखबार के बड़े सम्पादक थे। तब इस बात को एक मज़ाक के रूप में लिया गया था, पर आज तो स्थिति यह है कि हमारे समाचार-चैनलों के कर्ता-धर्ता सचमुच यह मानने लगे हैं कि चुनाव की राजनीति भले ही कोई और कर रहे हों, पर असली राजनेता वही हैं। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक संदेश काफी वायरल हुआ था। इसमें एक जज, एक राजनेता, एक कामेडियन और एक पत्रकार को दिखाया गया था, और कहा गया था, 'जज राजनेता बन गये हैं और राजनेता कामेडियन। कामेडियन अपने आप को पत्रकार समझ रहे हैं और पत्रकार यह समझ रहे हैं कि वे राजनेता हैं।' इस नासमझी और उलटे-सीधे समीकरणों का ही परिणाम है कि आज का मीडिया वह सब तो करता दिख रहा है जो उसे नहीं करना चाहिए, पर वह नहीं कर रहा जो उसे करना चाहिए। यह सही है कि मीडिया या पत्रकारिता आज एक व्यवसाय बन चुका है और इसे सिर्फ मिशन के रूप में देखना सही नहीं होगा, पर यह भी तो किसी दृष्टि से सही नहीं है कि मीडिया सिर्फ व्यवसाय बनकर रह जाये। डिजिटल मीडिया की इस वित्तीय वर्ष की विज्ञापन-आय 262 बिलियन रुपये आंकी गयी है और यह इतनी बड़ी राशि टीआरपी के माध्यम से बंटती है। टीआरपी वह जादुई आंकड़ा है जो इस समूचे व्यवसाय में लगे लोगों ने बंटवारे के लिए मंजूर किया है। इसके लिए देश भर में कुल 22 हज़ार घरों में ऐसे मीटर लगाये गये हैं जो यह बताते हैं कि लोग कौन-सा कार्यक्रम कितनी देर तक देखते हैं। इसी 'समय' के आधार पर तय होता है कौन-सा चैनल कितना विज्ञापन पाने का अधिकारी है। जाहिर है, इस खेल में वह सब होता है जो एक घटिया व्यापार में किया जाता है। यानी बेईमानी। इसी बेईमानी को लेकर आज देश में बहस भी चल रही है और कानूनी लड़ाई भी हो रही है। यह टीआरपी प्रणाली जब से चल रही है, तब से विवादों के घेरे में ही है। इसकी अवैज्ञानिकता और अविश्वसनीयता स्वयं-स्पष्ट है। निश्चित रूप से कोई और तरीका खोजना ही होगा, जिससे टीआरपी यानी टेलिविजन रेटिंग प्वाइंट का यह खेल कुछ ईमानदारी से खेला जा सके। तरीका कुछ भी खोजा जाये, कहीं न कहीं इसमें विश्वसनीयता वाला कोई मानदंड तो होना ही चाहिए। हमें यह नहीं भूलना है कि हमारी समूची पत्रकारिता की विश्वसनीयता दांव पर लगी है। दूरदर्शन पर भरोसा इसलिए नहीं होता क्योंकि वह सरकारी नियंत्रण में है, इसलिए समय की सरकार के साथ खड़े होना उसकी मज़बूरी है। समाचार भारती के गठन के बावजूद दूरदर्शन सरकारी चंगुल से उबर नहीं पाया है। निजी समाचार चैनलों से यह आशा की गयी थी कि वे निष्पक्ष पत्रकारिता का कुछ उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। 'इंतज़ार कीजिए कल तक' वाली आश्वासन की आवाज़ भी आज कहीं खो गयी है। राजनीतिक दलों और राजनेताओं के साथ चैनलों के नाम जुड़ते जा रहे हैं। दूसरी तरफ समाचार चैनलों के स्वामित्व का मामला है। इस क्षेत्र में कारपोरेट घरानों की भूमिका ने समूची पत्रकारिता को नफे-नुकसान के खेल में बदल दिया है। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ हमारे देश में ही हो रहा है या फिर यह अभी ही हो रहा है। पहले भी होता रहा है, और दुनिया भर के देशों में होता है। पर इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि ईमानदार पत्रकारिता की आशा ही छोड़ दी जाये। स्थिति विषम है, इसमें संदेह नहीं, लेकिन 'है अंधेरी राह पर दीया जलाना कब मना है। रोशनी तो करनी ही होगी। विश्वसनीयता पत्रकारिता का प्राण है। टीआरपी के खेल और होड़ में लगे वर्गों से ज़्यादा उम्मीद नहीं की जा सकती। यह काम पाठकों-दर्शकों को अपने हाथ में लेना होगा। हमें समाचार चैनलों से पूछना होगा कि किसानों का आंदोलन, बेरोज़गारी, बीमारी, गरीबी, बदहाल शिक्षा जैसे मुद्दे उनकी चिंता का विषय क्यों नहीं बनते? बढ़ती महंगाई पर टीवी में बहस क्यों नहीं होती? शोर-मचाऊ पत्रकारिता विवेक पर हावी क्यों होती जा रही है? ज़रूरी है कि हम 'बड़ी खबर' और 'ब्रेकिंग न्यूज' की परिभाषा बदलें। हम यानी दर्शक-श्रोता। तब उनकी नींद खुलेगी जो समाचार चैनलों की ऊंची कुर्सियों पर बैठकर स्वयं को 'सर्वशक्तिमान' मानने का घटिया खेल, खेल रहे हैं। दर्शकों की आशाओं और विश्वास के साथ मज़ाक अब बंद होना चाहिए- तब वह कल तक इंतज़ार करेगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

राफेल की परवाज से साकार शिवांगी का सपना

अरुण नैथानी

बनारस की बेटी शिवांगी सिंह अब दुनिया का आधुनिकतम युद्धक विमान राफेल उड़ाने को बेताब है। फ्लाइट लेफ्टिनेंट शिवांगी सिंह का चयन राफेल उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला पायलट के रूप में हुआ है। फिलहाल वह अंबाला में कन्वर्जन ट्रेनिंग ले रही है। इस साल भारतीय वायुसेना में शामिल बहुचर्चित राफेल उड़ाना हर भारतीय वायुसेना के पायलट का सपना है। सही मायने में यह शिवांगी के सपने का साकार होना भी है। बचपन से ही भारतीय वायुसेना में अपना दमखम दिखाने को बेताब शिवांगी उड़ते जहाजों को देखकर अक्सर कहा करती थी कि एक दिन में भी जहाज उड़ाऊंगी। वायुसेना अधिकारियों की वर्दी उसे सम्मोहित करती थी। घर वालों के लाख मना करने पर पतंग उड़ाती थी, आकाश से बातें करना उसे लुभाता था। बचपन में बड़ी जिद्दी थी। घर वालों के मना करने पर भी दीवाली पर खतरनाक किस्म के पटाखों से खेलती थी। उसका एक सपना था वायुसेना में दमखम दिखाना। एक बार स्कूली दिनों में नाना जी उसे दिल्ली में एयरबेस व वायुसेना का म्यूजियम दिखाने क्या ले गये, उसके संकल्प को पंख लग गये। सोते-जगाते एक ही रट कि वायुसेना में जाना है। कहते हैं कि जब हम किसी लक्ष्य के संकल्प के साथ सारी ऊर्जा उसी पर केंद्रित कर देते हैं तो सारी कायनात भी उसी लक्ष्य को पूरा करने के लिये मदद करती है। बनारस के सेंट मेरी कानवेंट स्कूल से प्रारंभिक पढ़ाई पूरी करने के बाद वह माध्यमिक पढ़ाई के लिये सेंट जोजेफ स्कूल गई। बीएससी की पढ़ाई के लिये बीएचयू गई तो उसने एनसीसी की एयर विंग को चुना। लक्ष्य सिर्फ वायुसेना में पायलट बनना जो था। वर्ष 2016 में वायुसेना में चुने जाने के बाद 2017 में शिवांगी ने भारतीय वायुसेना में कमीशन लिया। सेना में कर्नल रहे उसके नाना ने उसे समझाया कि वह नॉन फ्लाइट स्ट्रीम का चयन करे, पायलट बनने का विकल्प छोड़ दे। शिवांगी ने तब नाना को जवाब दिया, 'सदा से मेरा सपना पायलट बनने का रहा है। नॉन फ्लाइट स्ट्रीम चुनने से बेहतर है कि मैं वायुसेना छोड़ दूं।' पुरानी कहावत भी है कि 'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' यानी प्रतिभाओं के लक्षण बचपन में दिखने लगते हैं। उसके दादा कहते हैं कि वह बचपन से ही फुर्र-फुर्र कहती उछलती थी। तब हम नहीं समझते थे। अब लगता है कि उसकी मेहनत-किस्मत हवाई जहाज फुर्र से उड़ाने में छिपी है। शिवांगी बहुआयामी प्रतिभा की धनी रही है। वह पढ़ाई में तो अव्वल रही ही है, साथ ही खेलों में दमखम दिखाती रही है। वह बास्केटबॉल खेल में राष्ट्रीय स्पर्धाओं में शामिल रही। एथलेटिक्स में भी पदक जीते हैं। वह गिटार भी अच्छा बजा लेती है। यूं तो शिवांगी के पिता कामेश्वर सिंह का ट्रांसपोर्ट का कारोबार है, मगर सेना से सेवानिवृत्त कर्नल नाना उसके प्रेरणा स्रोत रहे हैं। उसे सेना की वर्दी लुभाती रही है। शिवांगी का घर भी कैंटोनमेंट एरिया में होने के कारण फौजियों को देखकर देशसेवा का जज्बा उसके मन में हिलोरे लेता रहा है। यही वजह है कि आज वह भारतीय सेना में अपने सपने साकार कर सकी है। कमाल की बात है कि वह पहले तो सबसे पुराने मिग-21 बाइसन उड़ा रही थी और आज दुनिया के सबसे उन्नत युद्धक विमान को उड़ा रही है। बचपन से ही शिवांगी में बड़ा दमखम था और अपने लक्ष्य के प्रति वह खासी जिद्दी थी। जो ठान लेती, घर वालों से पूरा करवाकर ही मानती। वही जिद आज उसे इस मुकाम पर ले आयी है कि वह कुछ दिनों में लद्दाख में जारी तनाव के बीच एलएसी पर देश की सीमाओं की पहरेदारी करती नजर आयेगी। अगर दुश्मन ने आंख दिखायी तो गरजेगी और बरसेगी भी। उसकी मां सीमा सिंह बेटी की कामयाबी से खुश तो है लेकिन कहती है कि पायलट बनने के साथ-साथ तमाम खतरे भी जुड़े होते हैं मगर हम इस बात से खुश हैं कि बेटी ने हमारा, बनारस और देश का नाम रोशन किया है। उसमें कोई तो गुण होगा जो देश के बहुचर्चित और अत्याधुनिक विमान उड़ाने का जिम्मा उसे मिला है। अपने जुनून को पूरा करने के लिये वह कालेज के दिनों में सुबह छह बजे घर से निकलती और रात को आठ बजे घर पहुंचती थी। खेल, एनसीसी, पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करती थी। तब जो रूढ़िवादी लोग उसके बाहर रहने पर सवाल उठाते थे, आज उसकी कामयाबी पर फोन करके बधाई दे रहे हैं, जिससे मां खासी प्रफुल्लित है। शिवांगी की कामयाबी महिला सशक्तीकरण की मिसाल है। ऐसे वक्त में जब तीनों सेनाओं में महिलाओं के लिये स्थायी कमीशन के द्वार खुले हैं, उसकी कामयाबी लाखों लड़कियों को अपने सपने साकार करने को प्रेरित करेगी। उसने बताया कि मध्यवर्गीय परिवारों से भी शिखर की कामयाबी का रास्ता निकलता है। महिला फाइटर पायलट के दूसरे बैच की शिवांगी जब कन्वर्जन ट्रेनिंग के बाद राफेल उड़ायेगी तो अपने सपने को साकार करने के साथ ही लाखों बेटियों को अपना आसमान चुनने का सपना दिखायेगी।

JLR ने कोरोना काल में छुट्टी पर भेजे 85त्न कर्मचारियों को वापस बुलाया

मुंबई: टाटा मोटर्स की कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने ब्रिटेन में छुट्टी पर भेजे गए 85 फीसदी कर्मचारियों को वापस बुला लिया है। कोरोना काल में उत्पादन कम होने से कंपनी ने 20 हजार कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया था। अब अधिकांश मार्केट्स में मांग बढ़ने से कंपनी ने उत्पादन बढ़ा दिया है और निकाले गए कर्मचारियों को वापस बुला रही है। जुलाई से सितंबर तिमाही में कंपनी की बिक्री अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में 50 फीसदी अधिक रही। अप्रैल से जून के दौरान दुनिया के अधिकांश मार्केट लॉकडाउन के कारण बंद थे। ब्रिटेन में कंपनी की फैक्टरीज अब दो शिफ्ट में काम कर रही हैं। कामगारों के काम पर लौटने से कंपनी को ब्रिटेन सरकार के जॉब रिटेंशन पॉलिसी बोनस का भी फायदा मिलेगा। इसके लिए कंपनी को निकाले गए सभी 20 हजार कर्मचारियों को फिर से काम पर रखना पड़ेगा।

कुल कर्मचारी

सितंबर तिमाही में कंपनी का नुकसान 15 से 20 करोड़ पौंड हो सकता है। वित्त वर्ष 2020 के अंत में कंपनी में कुल 39787 कर्मचारी थे जबकि वित्त वर्ष 2019 के अंत में यह संख्या 44,101 थी। इनमें से आधे से अधिक प्रोडक्शन में और 23 फीसदी रिसर्च एंड डेवलपमेंट में थे। निकाले गए 20 हजार कर्मचारियों में से 17 हजार वापस आ चुके हैं।

माइक्रोसॉफ्ट ने 2019 में 1300 करोड़ द्वेषपूर्ण ईमेल ब्लॉक किए

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट ने 2019 में 1300 करोड़ से अधिक द्वेषपूर्ण और संदिग्ध मेल ब्लॉक किए, जिनमें से 100 करोड़ से अधिक क्रेडेंशियल हमले वाले मेल थे। टेक दिग्गज साल 2020 में कोविड-19 से जुड़ी गलत सूचनाओं से निपटने में व्यस्त रहा, क्योंकि साइबर अपराधी लगातार विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठनों जैसे विश्वसनीय स्रोतों की नकल करने के लिए यूजर्स को दुर्भावनापूर्ण लिंक और अटैचमेंट पर क्लिक करने का लालच दे रहे थे। माइक्रोसॉफ्ट की वार्षिक डिजिटल डिफेंस रिपोर्ट के अनुसार, कोविड जैसे विषयों वाले हमले के लिए साइबर अपराधी अपने नेटवर्क या लोगों पर जासूसी करने के लिए प्रमुख सरकारी स्वास्थ्य सेवा, शैक्षणिक और वाणिज्यिक संगठनों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले साल 90 प्रतिशत राष्ट्र व राज्य के नोटिफिकेशन उन संगठनों को भेजी गई हैं, जो महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का संचालन नहीं करते हैं, इनमें गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), एडवोकेसी ग्रूप, मानवाधिकार संगठन और थिंक टैंक शामिल हैं।' चीन, अमेरिका और रूस सबसे ज्यादा प्रभावित थे, लेकिन दुनिया के हर देश को कम से कम एक कोविड-19 थीम हमले का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट में पाया गया कि पिछले एक साल में ऐसे द्वेषपूर्ण मेल करने वालों में तेजी से वृद्धि हुई है, इसका कारण है कि वे ऐसी तकनीकों का उपयोग करते हैं, जिससे उन्हें पकड़ पाना कठिन हो जाता है। इन तकनीकों के कारण सबसे सुरक्षित लक्ष्यों को भी खतरा होता है। यह आंकड़े 120 करोड़ से अधिक पीसी, सर्वर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) उपकरणों से एकत्र किया गया था, जो माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं तक पहुंच के साथ-साथ 63,000 करोड़ ऑथेंटिकेशन इवेंट्स, खतरों के लिए 47,000 करोड़ ईमेल और 1.8 करोड़ से अधिक यूआरएल स्कैन किए गए। एशिया के माइक्रोसॉफ्ट डिजिटल क्राइम यूनिट में असिस्टेंस जनरल कार्उंसिल मैरी जो श्रेड ने कहा, 'साइबर क्रिमिनल अवसरवादी हैं और उन्होंने कोविड-19 महामारी और अन्य विघटनकारी घटनाओं से संबंधित रुचि और भय को भुनाने का काम किया है।÷ उन्होंने आगे कहा, 'उन्होंने अपने रैनसमवेयर गतिविधियों के मद्देनजर उन संस्थाओं को भी निशाना बनाया है जो महामारी के दौरान ऑफलाइन या बिना रिकॉर्ड के कार्य नहीं कर सकते, जैसे अस्पतालों या चिकित्सा अनुसंधान संस्थान।' माइक्रोसॉफ्ट की डिजिटल क्राइम यूनिट ने 2010 से ही 22 मालवेयर व्यवधानों पर कानून प्रवर्तन और अन्य भागीदारों के साथ सहयोग किया है, जिसके परिणामस्वरूप साइबर अपराधियों से 50 करोड़ से अधिक डिवाइस बच गए हैं।

सेंसेक्स 254 अंक चढ़ा, निफ्टी 11760 के पार बंद हुआ

मुंबई।

देश के शेयर बाजार में कारोबारी सप्ताह के पांचवें और आखिरी दिन आज शुक्रवार को तेजी रही। सेंसेक्स 254.57 अंक या 0.64% की बढ़त के साथ 39982.98 पर और निफ्टी 82.10 अंक या 0.70% की बढ़त के साथ 11762.50 पर बंद हुआ। लगभग 1459 शेयरों में तेजी, 1135 शेयरों में गिरावट आई और 171 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। निफ्टी पर जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, बीपीसीएल, डिविस लैब्स और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज में सबसे ज्यादा तेजी के साथ कारोबार हुआ। जबकि यूपीएल, एचसीएल टेक, एमएंडएम, एशियन पेंट्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। वहीं सेक्टरों में आईटी को छोड़कर मेटल, बैंक, फार्मा अन्य सभी तेजी में बंद हुए। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 1 प्रतिशत की तेजी आई।

गुरुवार को गिरावट में बंद हुआ था बाजार

इससे पहले गुरुवार को बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 1,066.33 अंक या 2.61% की गिरावट के साथ 39728.41 पर और निफ्टी 290.60 अंक या 2.43% की गिरावट के साथ 11680.40 पर बंद हुआ था।

डॉलर के मुकाबले रुपया 73.35 पर लगभग स्थिर बंद

मुंबई, किसी ठोस संकेत के अभाव में अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 73.35 पर लगभग स्थिर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 73.41 रुपये पर खुला तथा उसके बाद उतार-चढ़ाव वाले कारोबार के अंत में डॉलर के मुकाबले महज एक पैसे की तेजी के साथ 73.35 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बृहस्पतिवार को रुपया 73.36 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान रुपये ऊंचे में 73.27 और नीचे में 73.42 तक गया। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 0.58 प्रतिशत घटकर 42.91 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

MG मोटर ने लॉन्च की एसयूवी ग्लोस्टर

नई दिल्ली। एमजी मोटर इंडिया ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक्स-शोरूम 28.98 लाख रुपए की शुरूआती कीमत पर भारत की पहली ऑटोनॉमस (लेवल 1) प्रीमियम एसयूवी-ग्लोस्टर लॉन्च की है। अपने एलिगेंट डिजाइन और सम्मोहक फीचर्स के साथ ग्लोस्टर प्रीमियम और लग्जरी क्षेत्र में अपील करता है जो 25 लाख रुपए से 50 लाख रुपए के बीच का है। यह भारत में 4 फीचर-इंटेंसिव वैरिएंट में उपलब्ध होगा, यानी सुपर, स्मार्ट, शार्प और सेवी। इसमें शानदार कॉम्बिनेशन उपलब्ध होंगे- लग्जरी यसबकेट सीट्स (6-सीटर और 7-सीटर), टू-व्हील ड्राइव और फोर-व्हीलड्राइव और ट्विन टबो चार्जिड डीजल इंजन के साथ दो इंजन विकल्प शामिल हैं।

दूसरी तिमाही में HCL टेक का शुद्ध लाभ 18.5 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली:

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शुद्ध लाभ सितंबर तिमाही में 18.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,142 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी मजबूत वृद्धि के दम पर चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में नौ हजार नए लोगों को काम पर रखने वाली है। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि साल भर पहले की समान तिमाही में उसे 2,651 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का राजस्व 6.1 प्रतिशत बढ़कर 18,594 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 17,528 करोड़ रुपए था। तिमाही के आधार पर, शुद्ध लाभ जून तिमाही के 2,925 करोड़ रुपए से 7.4 प्रतिशत अधिक रहा, जबकि राजस्व 17,841 करोड़ रुपए से 4.2 प्रतिशत अधिक रहा। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सी विजयकुमार ने कहा, 'हमने स्थिर मुद्रा के आधार पर 4.5 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि और कर भुगतान से पहले 21.6 प्रतिशत की लाभ वृद्धि के साथ शानदार प्रदर्शन किया है।'' उन्होंने कहा कि कंपनी के सौदों में तिमाही दर तिमाही आधार पर 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो एक सर्वकालिक उच्च स्तर है। विजयकुमार ने कहा, ''हम ई3 स्तर के कर्मचारियों के वेतन में एक अक्टूबर से वृद्धि कर रहे

हैं। ई4 तथा इससे ऊपर के स्तर के कर्मचारियों का वेतन एक जनवरी से बढ़ेगा। यह सातान्य वेतनवृद्धि के चक्र से एक तिमाही की देरी है।'' कंपनी ने इससे पहले कोरोना वायरस महामारी के कारण कायम अनिश्चितता के चलते वेतनवृद्धि को टाल दिया था। हालांकि अब वेतनवृद्धि उसी स्तर पर रहने वाली है, जहां कोविड-19 से पहले हुआ करती थी। कंपनी ने पिछले साल भारत स्थित अपने कर्मचारियों को औसतन छह प्रतिशत की और विदेश में काम कर रहे कर्मचारियों को औसतन 2.5 प्रतिशत की वेतन वृद्धि दी थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए चार रुपए प्रति इक्विटी शेयर के अंतरिम लाभांश की सिफारिश की है। तिमाही के दौरान एचसीएल ने 15 बड़े सौदों पर हस्ताक्षर किए। सितंबर 2020 की तिमाही के अंत में एचसीएल में 1,53,085 कर्मचारी थे। कंपनी का शेयर बीएसई में 3.55 प्रतिशत गिरकर 828.90 रुपए पर कारोबार कर रहा था।

ट्विटर ने बिहार चुनाव को समर्पित सर्च प्रॉम्प्ट लॉन्च किया

नई दिल्ली। माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने शुक्रवार को भारत चुनाव आयोग के साथ साझेदारी में एक नया सर्च प्रॉम्प्ट लॉन्च किया है, जिसके माध्यम से बिहार विधानसभा चुनावों से जुड़ी विश्वसनीय और आधिकारिक जानकारी हासिल की जा सकती है। नया सर्च प्रॉम्प्ट उम्मीदवारों की सूची, मतदान की तारीख, पोलिंग बूथ की जानकारी, ईवीएम पर वोटर रजिस्ट्रेशन और चुनाव सम्बंधी अन्य जानकारियां दे सकेगा। इस सर्च प्रॉम्प्ट को 'गेट द लेटेस्ट अपडेट्स' नाम दिया गया है और इसे अंग्रेजी तथा हिंदी भाषाओं में 30 से अधिक हैशटैग के साथ एक्टीवेट कर दिया गया है। बिहार चुनावों की तारीख जैसे ही करीब आएगी, ट्विटर इस प्रॉम्प्ट के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि लोगों तक बदलते घटनाक्रम की सही समय पर और सही जानकारी पहुंचे।

साइबर हमले की चपेट में हल्दीराम, डेटा वापस करने के लिए हैकरों ने मांगी इतनी रकम

नोएडा।

देश की नामी फूड एवं पैकेजिंग कंपनी हल्दीराम पर साइबर हमले का मामला सामने आया है। इस मामले में कंपनी की तरफ से थाना सेक्टर 58 में शिकायत की गयी है। साइबर अपराधियो ने कंपनी के कई विभाग का डेटा डिलीट कर दिया है, जिसकी वजह से कंपनी को काफी नुकसान उठाना पड़ा रहा है। डेटा वापस करने के एवज में साइबर अपराधियों ने सात लाख रुपये की रंगदारी मांगी है।

कंपनी पर किया गया वायरस अटैक

पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह के मीडिया प्रभारी अभिनेंद्र सिंह ने बताया कि फूड एवं पैकेजिंग कंपनी हल्दीराम का नोएडा के सेक्टर 62 के सी-ब्लॉक में कॉरपोरेट ऑफिस है। यहां से कंपनी का आईटी विभाग संचालित होता है। हल्दीराम कंपनी के डीजीएम आईटी अजीज खान ने पुलिस को बताया कि 12 और 13 जुलाई की रात में कंपनी पर वायरस अटैक किया गया था। यह अटैक कंपनी के सेक्टर 62 स्थित कॉरपोरेट ऑफिस के सर्वर पर हुआ था। इस अटैक के कारण कंपनी के मार्केटिंग बिजनेस से लेकर अन्य विभाग के डेटा गायब हो गए और कई विभागों का डेटा डिलीट भी कर दिया गया।

कंपनी से सात लाख रुपए की मांग की

शिकायत के मुताबिक कंपनी की कई महत्वपूर्ण फाइलें भी गायब हो गई। जब इसकी जानकारी कंपनी के उच्च अधिकारियों को हुई तो पहले आंतरिक जांच की गयी। इसके बाद कंपनी अधिकारियों और साइबर अटैक करने वाले अपराधियों के बीच चैट हुई, तो साइबर अपराधियों ने कंपनी से सात लाख रुपए की मांग की। जानकारी के मुताबिक कोविड-19 संक्रमण काल में जुलाई महीने में दुनिया भर की कई कंपनियों पर वायरस अटैक हुआ था। इसी दौरान देश की बड़ी फूड एंड पैकेजिंग कंपनी हल्दीराम भी इसका शिकार हो गयी। साइबर जगत के विशेषज्ञों के मुताबिक दुनिया भर में फैले एक समूह ने इन कंपनियों पर वायरस अटैक किया था। इस मामले में कंपनी के डीजीएम आईटी अजीज खान की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्लीपर क्लास को समाप्त करने की कोई योजना नहीं : रेलवे बोर्ड प्रमुख

नई दिल्ली।

भारतीय रेल ने गुरुवार को उन रिपोर्ट्स का खंडन कर दिया, जिसमें कहा गया था कि रेलवे अब मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों से स्लीपर क्लास बोगी हटाने वाली है। रेलवे ने कहा कि थ्री-टीयर कोच को लाने का मकसद यात्रियों की यात्रा को ज्यादा सस्ता और आरामदायक बनाना है। एक वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ वी.के.यादव ने कहा, हम निश्चित ही स्लीपर क्लास कोचों को रखेंगे। इसमें कोई भी अस्पष्टता नहीं है। उन्होंने कहा कि रेलवे की योजना अपने नेटवर्क के ट्रेनों की स्पीड को बढ़ाना है। नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-कोलकाता रूट पर ट्रेन की गति 130 किमी की जाएगी, जबकि 160 किमी की गति हासिल करने के लिए ट्रैक को अपग्रेड करने का काम शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस बढ़ी हुई गति की वजह से स्लीपर क्लास के कोचों में यात्रियों को समस्या और परेशानी होगी। यादव ने कहा, इसलिए हमने नए एसी-3 टीयर कोच बनाने का निर्णय लिया है, जो कि अगले वर्ष तक सामने आ जाएगा। हमारा उद्देश्य एसी ट्रेवल को ज्यादा सस्ता बनाने का है और इसका फेयर एस-3 और स्लीपर क्लास के बीच होगा।

विस्तार दिल्ली-लंदन मार्ग पर 21 नवंबर से बढ़ाएगी उड़ानों की संख्या, चेक करें पूरा schedule

नई दिल्ली।

टाटा समूह की विमानन कंपनी विस्तार दिल्ली-लंदन के बीच 21 नवंबर से उड़ानों की संख्या बढ़ाएगी। कंपनी ने कहा कि 21 नवंबर से वह दिल्ली-लंदन मार्ग पर सप्ताह में पांच उड़ानों का परिचालन करेगी। कंपनी फिलहाल सप्ताह मे चार उड़ाने भरती है। कंपनी ने कहा कि एक दिसबंर से वह इस मार्ग पर दैनिक सेवा उपलब्ध कराएगी।

विस्तार, भारत और ब्रिटेन के बीच हुए द्विपक्षीय विशेष उड़ान समझौता (एयर बबल पैक्ट) का हिस्सा है। अन्यथा देश में 23 मार्च से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन बंद है। कंपनी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विनोद कन्नन ने कहा कि उड़ानों की संख्या बढ़ाना इस मार्ग पर हमारे परिचालन की सफलता को दर्शाता है। बता दें कि विस्तारा ने पहली बार इतनी लंबी दूरी की उड़ान शुरू की है।

भारत और ब्रिटेन के बीच उड़ान सेवा में समझौतों के तहत उड़ानों की मंजूरी दी गई थी। ये उड़ाने अभी सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चल रही हैं। विस्तारा के कार्यकारी अधिकारी लेस्ली थेंग ने कहा कि दुनिया लॉकडाउन के बाद धीरे-धीरे खुलने लगी है। एयरलाइन ने नॉन-स्टॉप उड़ान अनुभव के लिए अपने ब्रांड-न्यू बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान को इस रूट पर तैनात किया है

डीजल की मांग भी कोविड-19 महामारी से पहले के स्तर पर लौटी

नई दिल्ली।

इस साल अक्टूबर महीने के पूर्वार्द्ध में डीजल की मांग में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। इस तरह से पेट्रोल के बाद अब डीजल की मांग भी कोरोना वायरस महामारी से पहले के स्तर पर लौट आयी है। उद्योग जगत के आंकड़ों से इसका पता चला है।

डीजल की बिक्री में इस साल की पहली सालाना वृद्धि

डीजल भारत में सबसे अधिक खपत वाला ईंधन है। यह कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये देशभर में मार्च में लगाये गये लॉकडाउन के बाद डीजल की बिक्री में इस साल की पहली सालाना वृद्धि है। महामारी के बाद लोग निजी वाहनों को अधिक तरजीह देने लगे हैं।

इस कारण पेट्रोल की मांग में डीजल की तुलना में बेहतर सुधार हुई है। एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर के दौरान के आंकड़ों में अनुमान से बेहतर सुधार देखने को मिला है। पेट्रोल की मांग पिछले महीने कोरोना वायरस महामारी से पहले के स्तर पर आ गयी थी। अक्टूबर के पूर्वार्द्ध में पेट्रोल की बिक्री सालाना आधार पर 1.5 प्रतिशत बढ़कर 9,82,000 टन पर पहुंच गयी। यह बिक्री साल भर पहले की समान अवधि में 9,67,000 टन और सितंबर के पहले पखवाड़े में 9,68,000 टन थी। भारत में 25 मार्च को लॉकडाउन लगाये जाने के बाद से मांग में अप्रत्याशित गिरावट देखने को मिली। अप्रैल महीने में ईंधन की मांग 49 प्रतिशत तक गिर गयी थी। इस दौरान विमानन ईंधन एटीएफ की मांग साल भर पहले की तुलना में 57 प्रतिशत नीचे 1,35,000 टन पर आ गयी।

हालांकि यह एक महीने पहले के 1,30,000 टन से 2.5 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान रसोई गैस (एलपीजी) की बिक्री 11.6 लाख टन रही, जो साल भर पहले की तुलना में सात प्रतिशत और महीने भर पहले की तुलना में तीन प्रतिशत अधिक है।

महंगे आलू से राहत मिलने के आसार नहीं, नवरात्र में बढ़ेगी खपत

नई दिल्ली।

बरसात का सीजन खत्म होने के बाद शाक-सब्जियों की नई फसल की आवक बढ़ने के साथ तमाम सब्जियों की कीमतों में थोड़ी नरमी आ सकती है। मगर आलू की महंगाई से बहरहाल राहत मिलने के आसार नहीं है, क्योंकि आगे नवरात्र शुरू हो रहा है और इस दौरान आलू की खपत हर साल बढ़ जाती है। देश की राजधानी दिल्ली स्थित आजादपुर मंडी में बीते कुछ दिनों से आलू का थोक भाव 12 रुपये से 51 रुपये प्रति किलो चल रहा है जबकि दिल्ली-एनसीआर में आलू (सामान्य वेरायटी) का खुदरा दाम 40 से 50 रुपये प्रति किलो चल रहा है। वहीं, खास क्वालिटी के आलू का खुदरा भाव ऊंचा है। आजादपुर मंडी पोटैटो ऑनियन मर्चेंट एसोसिएशन यानी पोमा के जनरल सेक्रेटरी राजेंद्र शर्मा बताते हैं कि नवरात्र के दौरान व्रत में लोग आलू खाते हैं, जिससे आलू की खपत इस दौरान बढ़ जाती है। नवरात्र इस साल 17 अक्टूबर से आरंभ हो रहा है और 25 अक्टूबर को दशहरे का त्योहार है जिसके साथ ही नवरात्र समाप्त हो जाएगा। शर्मा कहते हैं कि आलू के दाम में बढ़ोतरी की मुख्य वजह आवक में कमी है। आजादपुर मंडी में आलू की आवक पिछले साल से तकरीबन 40-50 फीसदी कम हो रही है। वहीं, कीमतों में पिछले साल से दोगुना से ज्यादा का इजाफा हो गया है। ब्ताया जा रहा है कि आलू की महंगाई देख अच्छे भाव की उम्मीदों में किसानों ने आलू की खेती में पूरी ताकत झोंकी है। उत्तर-भारत में आलू की बुवाई शुरू हो चुकी है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत आने वाले और हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. मनोज कुमार के मुताबिक, रबी सीजन में आमतौर पर आलू की बुवाई सितंबर के आखिर में शुरू होती है और नवंबर तक चलती है, जबकि हार्वेस्टिंग दिसंबर से मार्च तक चलती है। हालांकि, कारोबारी बताते हैं कि अगैती फसल की आवक नवंबर के आखिर में शुरू हो सकती है। बीते फसल वर्ष में आलू का उत्पादन ज्यादा होने के बाजवूद आलू के दाम में इस साल काफी बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी दूसरे अग्रिम उत्पादन के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019-20 के दौरान देश में आलू का उत्पादन 513 लाख टन हुआ, जबकि एक साल पहले 2018-19 में देश में आलू का उत्पादन 501.90 लाख टन हुआ था।

PNB लाया महिलाओं के लिए खास स्कीम, फ्री में मिलेंगी ये 6 सुविधाएं

बिजनेस डेस्क:

पंजाब नेशनल बैंक (PNB) समय-समय पर देश की महिलाओं के लिए नई योजनाएं लेकर आता रहता है। इस बार बैंक महिलाओं के लिए पावर सेविंग्स अकाउंट की सुविधा लेकर आया है। ये महिलाओं के लिए एक विशेष योजना है, जिसके जरिए आप खाता खुलवा कर कई खास योजनाओं का लाभ ले सकती हैं। इसमें आप संयुक्त खाता भी ओपन करा सकते हैं लेकिन इसके लिए खाते में पहला नाम महिला का होना चाहिए।

PNB ने ट्वीट कर दी जानकारी

पीएनबी ने अपने टि्वटर अकाउंट में इस बारे में जानकारी दी है।

बैंक ने ट्वीट में लिखा कि 'पीएनबी पावर सेविंग्स महिलाओं के लिए एक विशेष योजना है। इस योजना के तहत संयुक्त खाता भी खोला जा सकता है लेकिन पहला नाम महिला का होना चाहिए।'

कितने रुपए से खुलवा सकते हैं खाता

इस खाते को आप गांव या शहर कहीं भी खुलवा सकते हैं। गांव में ये खाता आप 500 रुपए से खुलवा सकते हैं। इसके अलावा सेमी अर्बन एरिया में ये खाता आप 1000 रुपए से खुलवा सकते हैं। वहीं, शहरी इलाकों में यह खाता आप 2 हजार रुपए से ओपन करा सकते हैं। इस खाते को खुलवाने के लिए महिला का भारतीय नागरिक होना जरूरी है।

क्या है खाते की खासियत

- इस खाते में आपको सालाना 50 पन्नों की चेकबुक फ्री मिलती है।
- इसके अलावा NEFT की सुविधा फ्री में मिलती है।
- बैंक खाते पर प्लेटिनम डेबिट कार्ड फ्री मिलता है।
- फ्री SMS अलर्ट की सुविधा मिलती है।
- 5 लाख रुपए तक फ्री एक्सीडेंटल डेथ इंश्योरेंस कवर मिलता है।
- प्रति दिन आप 50 हजार रुपए तक की कैश निकासी कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन ने यू-23 एशिया कप-2022 की मेजबानी से नाम वापस लिया : एएफसी

कुआलालम्पुर। एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) ने कहा है कि चीन ने अंडर-23 एशिया कप-2022 से नाम वापस ले लिया है। एएफसी ने एक बयान में कहा है कि चीन फुटबाल संघ का एएफसी अंडर-23 एशिया कप-2022 से नाम वापस लेने के फैसले का कारण कार्यक्रम संबंधी विवाद, अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स से पहले स्टेडियमों का काम पूरा न होना और कोविड-19 के कारण पैदा हुई परेशानियां हैं। बयान में कहा गया है, एएफसी अब दो चरणों वाली प्रक्रिया शुरू करेगी जिसमें से एक 2022 एशिया कप की है तो वहीं दूसरी 2024 एएफसी अंडर-23 एशिया कप के लिए। वहीं एएफसी ने बताया है कि उसने फुटसाल चैम्पियनशिप कुवैत-2020 को अब 2021 तक स्थगित करने का फैसला किया है। एएफसी ने कहा, यह फैसला कुवैत में बढ़ते कोविड-19 के मामलों को देखते हुए सभी टीमों, हितधारकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर लिया गया है। बयान में कहा गया है कि टूर्नामेंट की अगली तारीखें और बाकी मुद्दों पर जानकारी आने वाले समय में साझा कर दी जाएगी।

आईपीएल-13

दिल्ली के लिए खतरनाक साबित हो सकती है सीएसके

शारजाह (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 13वां संस्करण दूसरे हाफ में कदम रखा चुका है और अब यहां स्पिनरों और धीमी गति के गेंदबाजों का बोलबाला देखने को मिल सकता है। ऐसी स्थिति में तीन बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स खतरनाक साबित हो सकती है। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को शानदार फार्म में चल ही दिल्ली कैपिटल्स को चेन्नई का सामना करना है और इस मैच में चेन्नई की चुनौती दिल्ली के लिए आसान नहीं होगी। महेंद्र सिंह धोनी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ तीन स्पिनर उतारे थे। उनका यह मूव सफल भी रहा था और टीम को जीत मिली थी। धोनी धीमी होती पिचों पर एक अलग कप्तान होते हैं। उन्हें पता है कि इन पिचों पर क्या करना है। टूर्नामेंट अब उसी तरफ बढ़ चुका है जहां अधिकतर धीमी पिचें ही देखने को मिल रही हैं। ऐसे में चेन्नई बाकी टीमों पर भी हावी हो सकती है। उसके पास रवींद्र जडेजा, पीयूष चावला, कर्ण शर्मा, इमरान ताहिर के रूप मे चार बेहतरीन स्पिनर हैं। ताहिर अभी तक नहीं खेले हैं। वहीं ड्वेन ब्रावो और शेन वाटसन भी इस तरह की पिचों पर बेहद खतरनाक साबित होते हैं। शारजाह की पिच पर शुरुआत में रन बनाना आसान था लेकिन अब यह पिच धीमी हो गई है जो चेन्नई के लिए वरदान सा है। कम से कम पिछले कुछ मैचों में तो यही देखने को मिला है। दिल्ली के लिए शिखर धवन, पृथ्वी शॉ और बाकी के बल्लेबाज किस तरह से इस स्थिति से निपटते हैं यह देखना होगा। कप्तान श्रेयर अय्यर पिछले मैच में चोटिल हो गए थे। उनकी जगह धवन ने कप्तानी की थी। मैच के बाद धवन ने कहा था कि अय्यर की चोट को लेकर बाद में पता चलेगा। अभी तक हालांकि स्थिति साफ नहीं है और अगर अय्यर बाहर होते हैं तो दिल्ली के लिए यह बड़ा नुकसान होगा। टीम पहले ही अमित मिश्रा, ईशांत शर्मा और ऋषभ पंत की चोटों से जूझ रही है। अमित और ईशांत आईपीएल से ही बाहर हो चुके हैं। पंत पर भी स्थिति साफ नहीं है। इस स्थिति में धवन, शॉ, अजिंक्य रहाणे, मार्कस स्टोयनिस, एलेक्स कैरी, शिमरन हेटमायेर की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। धीमी पिचों का फायदा उठाने के लिए दिल्ली के पास भी रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल हैं। वहीं तेज गेंदबाजी में कैगिसो रबादा और एनरिक नॉर्खिया की जोड़ी ने दमदार प्रदर्शन किया। तुषार देशपांडे ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पदार्पण किया था और अच्छा करने में सफल रहे थे। यहां शायद ही बदलाव हो।दिल्ली के लिए चिंता है कि अय्यर की चोट और उनका रिप्लेसमेंट।

हमारी टीम ने अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेली : पोंटिंग

दुबई (एजेंसी)।

आईपीएल टीम-दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उनकी टीम ने लीग के 13वें सीजन में अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेली है। टीम हालांकि आठ मैचों में छह जीत के साथ पहले स्थान पर है और प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के करीब है। दिल्ली को शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले जाने वाले मैच से पहले कहा, इस सीजन अभी तक चीजें अच्छी रही हैं। लेकिन मैं वो इंसान नहीं हूं जो ज्यादा दूर देखने की कोशिश करता हो क्योंकि मैं जानता हूं कि कितनी जल्दी आईपीएल बदल सकता है। हमने पहले देखा है कि टीम ने अपने शुरुआती सभी छह मैचों में जीत हासिल की लेकिन फिर भी प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई। उन्होंने कहा, इसलिए हम चीजों पर नजर रखेंगे। मुझे लगता है कि हमने भले ही आठ में से छह मैच जीते हैं लेकिन हमने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेली है। पोंटिंग ने कहा है कि वह अपने खिलाड़ियों से कह रहे हैं कि दूसरे हाफ में वह अपनी सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने पर ध्यान दें। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, एक चीज मैं टूर्नामेंट की शुरुआत से ही कह रहा हूं कि मैं चाहता हूं कि हमारे खिलाड़ी दूसरे हाफ में अपनी सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें, पहले हाफ में चाहे भले ही न खेलें। उन्होंने कहा, हम इस तरफ काम करना जारी रखेंगे, लेकिन इस समय टीम में काफी अच्छा माहौल है और जब यह आपकी टीम में होता है तो टीम ज्यादा मैच जीतती है। इसलिए, हम इस पर ध्यान देना जारी रखेंगे और इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि हमारी प्लानिंग और तैयारी अच्छी हो और परिणाम हमारे पक्ष में आएं। चेन्नई के सामने आने वाली चुनौतियों को लेकर पोंटिंग ने कहा, हमने हर टीम के खिलाफ मैच खेला है और राजस्थान के साथ दो मैच खेल चुके हैं। चेन्नई के साथ भी हम दूसरा मैच खेलेंगे। आप इस टूर्नामेंट में किसी को भी हल्के में नहीं ले सकते। वह साबित कर चुके हैं कि वो कितनी शानदार टीम है, आईपीएल में शायद सर्वश्रेष्ठ टीम, पहले दिन से। आपके पास शेन वाटसन, धोनी, जडेजा और फाफ डु प्लेसिस टीम में हो तो आप उस टीम को हल्के में नहीं ले सकते।

पाकिस्तान ने 2021 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम को किया आमंत्रित

लंदन (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट टीम को 2021 में सीमित ओवरों की सीरीज के दौरे के लिए आमंत्रित किया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस बात की जानकारी दी। ईसीबी ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से चर्चा के बाद, इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि ईसीबी को 2021 में इंग्लैंड की पुरुष टीम को सीमित ओवरों की सीरीज के छोटे दौरे के लिए पाकिस्तान से आमंत्रण मिला है। बयान में आगे लिखा है, हम इस बात का स्वागत करते हैं कि पाकिस्तान में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी हो रही है और हम इसमें जितनी मदद कर सकते हैं वो करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दौरे को लेकर हालांकि अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है लेकिन ईसीबी ने कहा है कि वह पीसीबी के साथ मिलकर इस पर चर्चा करेंगे। इंग्लैंड ने 2005 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है और एफटीपी के मुताबिक उनका अगला दौरा 2022 में होना है। प्रस्तावित दौरे के सामने ईसीबी ने कोविड-19 बायो सिक्योर बबल, देश की पूर्ण सुरक्षा और इंग्लैंड क्रिकेट टीम का पहले से ही व्यस्त कार्यक्रम को चुनौतियां बताया है, लेकिन कहा है कि इस पर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा, इस समय किसी भी प्रस्तावित दौरे से पहले हमारे खिलाड़ियों और स्टाफ की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए कई ऐसी चीजें जिन पर ध्यान दिया जाना है जिसमें कोविड-19 के प्रोटोकॉल्स, टीम की सुरक्षा शामिल हैं। पाकिस्तान ने कोविड-19 के बीच में ही इसी साल इंग्लैंड का दौरा किया था। इस दौर पर पाकिस्तान ने इंग्लैंड के साथ तीन टेस्ट, के अलावा इतने ही मैचों की टी-20 सीरीज खेली थी।

आईपीएल-13 : नए रूप में आकर बेंगलोर को मात देने की कोशिश में होगी राजस्थान

दुबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण में शनिवार को होने वाले डबल हैडर में पहला मैच राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच खेला जाएगा। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला यह मैच राजस्थान के लिए काफी अहम होगा। वहीं बेंगलोर भी इस मैच में जीत की राह पर वापसी के प्रयास करेगी। बेंगलोर को पिछले मैच में किंग्स इलेवन पंजाब ने मात दी। इस मैच में बेंगलोर की बल्लेबाजी तो चल गई लेकिन एबी डिविलियर्स को नीचे भेजने के फैसले की काफी आलोचना हुई। हालांकि कप्तान विराट कोहली ने मैच के बाद इस फैसले का बचाव किया। राजस्थान के खिलाफ डिविलियर्स से पहले वॉशिंगटन सुंदर या शिवम दुबे दोबारा भेजे जाएंगे, ऐसा लगता नहीं है, इसलिए एक बार फिर डिविलियर्स को चौथे नंबर पर देखा जा सकता है। बेंगलोर की बल्लेबाजी फॉर्म में है, पिछले मैच में टीम अच्छे स्कोर की ओर जाती नहीं दिख रही थी, लेकिन तभी क्रिस मौरिस ने अपनी उपयोगिता साबित की और बताया कि वह बल्ले से भी कितना अहम रोल निभा सकते हैं। उन्होंने आठ गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाए। बेंगलोर की गेंदबाजी हालांकि पंजाब के खिलाफ नहीं चली। लोकेश राहुल और मयंक अग्रवाल ने शुरुआत में उनका मनोबल तोड़ा और बाद में क्रिस गेल ने बेंगलोर के गेंदबाजों को हावी होने का किसी भी तरह का मौका नहीं दिया। हां, मैच जरूर आखिरी ओवर की आखिरी गेंद तक गया,लेकिन इसमें पंजाब के बल्लेबाजों की गलती कही जा सकती है। वैसे बेंगलोर की गेंदबाजी भी अच्छी रही है। बल्ले से पहले मौरिस गेंद से अपना कमाल दिखा चुके हैं। वहीं युजवेंद्र चहल को संभालना भी राजस्थान के बल्लेबाजों के लिए मुश्किल रहेगा। सुंदर और इसुरू उदाना भी फॉर्म में हैं। राजस्थान की टीम अभी तक सही संतुलन नहीं बना पाई है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में वो जीतती दिख रही थी, लेकिन अपनी गलतियों से हार बैठी। स्टोक्स के साथ पारी की शुरुआत कराना भी राजस्थान के लिए काम नहीं आ रहा है। स्टोक्स ने दिल्ली के खिलाफ 41 रन जरूर बनाए थे लेकिन टीम को जीत की दहलीज पर नहीं पहुंचा सके थे। टीम प्रबंधन स्टोक्स को सलामी बल्लेबाज के तौर पर ही आजमाएगा या इसमें बदलाव करेगा- यह मैच में देखने वाली बात होगी। जोस बटलर, स्टीव स्मिथ और संजू सैमसन का बल्ला भी चलना राजस्थान के लिए बेहद जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब हमसे अच्छा खेली : कोहली

शारजाह। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ आईपीएल-13 में गुरुवार को मिली दूसरी हार के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि पंजाब की कप्तानी वाली टीम उनकी टीम से बेहतर खेली। बेंगलोर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट खोकर 171 रन बनाए। पंजाब ने आखिरी गेंद पर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। आखिरी में मैच रोमांचक बन गया था और सुपर ओवर में जाता दिख रहा था लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मैच के बाद कोहली ने कहा, यह काफी हैरानी भरा था। हमें लगा था कि मैच 18वें ओवर में खत्म हो जाएगा। आखिरी के ओवरों में कुछ दबाव आपको असमंजस में डाल सकते हैं। इस खेल में कुछ भी हो सकता है। पंजाब ने अच्छा खेला। हम आज मैच में नहीं थे। इस मैच में बेंगलोर ने अपने स्टार बल्लेबाज अब्राहम डिविलियर्स को काफी नीचे भेजा और उनसे पहले वॉशिंगटन सुंदर तथा शिवम दुबे को उतारा। डिविलियर्स को नीचे भेजने पर कोहली ने कहा, हमने बात की थी। बाहर से यह संदेश आया था कि बाएं-दाएं हाथ के संयोजन को बनाए रखा जाए क्योंकि उनके पास दो लेग स्पिनर थे। कई बार आपके फैसले काम नहीं आते लेकिन यह होता है। हमने जो फैसला लिया उससे हम खुश हैं।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार रद्द हुआ आस्ट्रेलियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट

सिडनी। आस्ट्रेलिया के तीन बड़े गोल्फ टूर्नामेंट कोविड-19 की भेंट चढ़ गए हैं। शुक्रवार को इस बात का ऐलान किया गया कि पुरुष और महिला आस्ट्रेलियन ओपन और पीजीए चैम्पियनशिप को रद्द कर दिया गया है। यह तीनों टूर्नामेंट फरवरी में होने थे। 1945 के बाद से पहली बार हो रहा है कि आस्ट्रेलियन ओपन पुरुष गोल्फ टूर्नामेंट का आयोजन नहीं किया जा रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के आखिरी साल में पुरुष टूर्नामेंट नहीं खेला गया था। वहीं 1995 के बाद से पहली बार हो रहा है कि पीजीए चैम्पियनशिप नहीं खेली जाएगी। और 2006 के बाद से पहली बार महिला आस्ट्रेलियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट नहीं होगा। आस्ट्रेलिया पीजीए के मुख्य कार्यकारी गैविन कर्कमैन ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, यह अप्रत्याशित है और आस्ट्रेलियाई गोल्फ तथा उसके प्रशंसकों के लिए बहुत बड़ा झटका है। उन्होंने कहा, हमने सभी संबंधित अधिकारियों और साझेदारों के साथ इस पर महीनों चर्चा की है ताकि हम तीन टूर्नामेंट्स को सुरक्षित तरीके से आयोजित कराने का तरीका निकाल सकें। लेकिन कई प्लान आने के बाद भी हम इस फैसले पर पहुंचे हैं। आस्ट्रेलिया ने कोविड को रोकने के लिए अपनी सीमाएं बंद कर रखी हैं। उन्होंने कहा, हम इन तीनों टूर्नामेंट्स को 2021-22 में दोबारा लाने को तैयार हैं।

डिविलियर्स से पहले सुंदर और दुबे को भेजने पर घिरे कोहली

शारजाह (एजेंसी)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली के किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ खेले गए मैच में अब्राहम डिविलियर्स को नंबर-6 पर भेजने के फैसले की काफी आलोचना हो रही है। इस मैच में पंजाब ने बेंगलोर को आठ विकेटों से हरा दिया था। डिविलियर्स ने पंजाब के खिलाफ मैच से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुश्किल पिच पर 33 गेंदों पर नाबाद 73 रनों की पारी खेली थी। लेकिन पंजाब के खिलाफ उनसे पहले वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे को भेजा गया था। पहली पारी के खत्म होने के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने इस पर सवाल उठाए थे। पीटरसन ने कहा, डिविलियर्स 15 साल से क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने हर तरह के गेंदबाजों को खेला है। आपके सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज को ज्यादा से ज्यादा गेंदें फेंकनी चाहिए। अगर वो 24-25 गेंदें खेलते, जो उन दो बल्लेबाजों ने खेली, तो जिस गेंद पर वो आउट हुए वो मैदान के बाहर जाती। डिविलियर्स 17वें नंबर पर खेलने आए और सिर्फ दो रन बना सके। कॉमेंट्री के दौरान भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा, दुबे ने 10 गेंदों पर आठ रन बनाए। उन्होंने डिविलियर्स से दो ओवर ले लिए। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब पर कहा, डिविलियर्स को रोक सुंदर और दुबे को भेजना अजीब फैसला था। मैच के बाद हालांकि कोहली ने कहा था कि यह फैसला दाएं-हाथ के संयोजन को बनाए रखने के लिए लिया गया था। कोहली ने मैच के बाद कहा था, हमने बात की थी। बाहर से यह संदेश आया था कि बाएं-दाएं हाथ के संयोजन को बनाए रखा जाए क्योंकि उनके पास दो लेग स्पिनर थे। कई बार आपके फैसले काम नहीं आते लेकिन यह होता है। हमने जो फैसला लिया उससे हम खुश हैं। कोहली ने कहा कि वो चाहते थे कि सुंदर और दुबे लंबे शॉट्स के लिए जाएं। कोहली ने कहा, यही सोच थी। अपनी आंखें जमाएं और बड़े शॉट्स खेलें, लेकिन हम उन पर दबाव नहीं डाल सके।

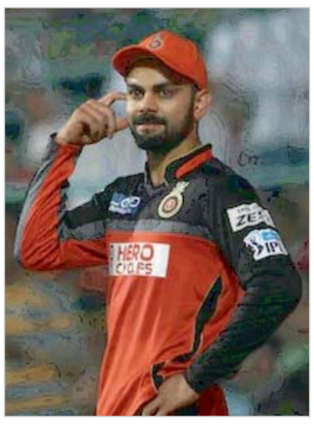

अंकतालिका में हम जहां हैं, हकीकत में उससे बेहतर टीम: राहुल

शारजाह (एजेंसी)।

किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ मिली करीबी जीत से टीम के खिलाड़ियों को आत्मविश्वास मिलेगा। साथ ही कहा है कि उनकी टीम अंकतालिका में जिस स्थान पर काबिज है, हकीकत में उससे बेहतर है। आईपीएल में पंजाब को दो जीतें मिली हैं और दोनों जीतें उसे बेंगलोर के खिलाफ ही मिली हैं। राहुल ने मैच के बाद कहा, अंकतालिका में हम जिस स्थान पर हैं हकीकत में उससे बेहतर हैं। आखिरी में यह मैच काफी करीबी हो गया था लेकिन जीत कर हम खुश हैं। राहुल ने इस मैच में 49 गेंदों पर नाबाद 61 रनों की पारी खेली। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्हीं के दम पर टीम ने आठ विकेट से जीत हासिल की। आखिरी के ओवर में मैच रोमांचक हो गया था और लग रहा था कि पंजाब को एक और सुपर ओवर खेलना होगा। राहुल ने कहा, हृदय गति जितनी तेज हो सकती थी उतनी हुई। मैंने यो-यो टेस्ट दिया है और अपने करियर में काफी करीबी मैचों में शामिल रहा हूं। लेकिन इसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। हम जानते थे कि हमें एक बार जीत हासिल करनी है जिससे हमें आत्मविश्वास मिलेगा। इस मैच में पंजाब की तरफ से क्रिस गेल भी खेले। यह गेल का इस सीजन का पहला मैच था। नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए गेल ने 53 रनों की पारी खेली और राहुल के साथ 93 रन बनाए। राहुल ने कहा, जरूरी है कि शेर भूखा रहे। वह जब भी बल्लेबाजी करते हैं, वह खतरनाक होते हैं। वह इसे चुनौती की तरह लेते हैं। वह जब नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आए तो वह वही खिलाड़ी थे। यह आज काम किया और उम्मीद है कि आगे भी करेगा।

आईडब्ल्यूएफ ने मिशेल ईरानी को अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने शुक्रवार को मिशेल ईरानी को अपना अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया है। ईरानी आईडब्ल्यूएफ की मेडिकल समिति के अध्यक्ष हैं और वह पूर्व में आईडब्ल्यूएफ की डोपिंग रोधी समिति के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनके पास डोपिंग के खिलाफ लड़ाई लड़ने का अनुभव है। ईरानी ने कहा, मैं आईडब्ल्यूएफ के कार्यकारी बोर्ड का अंतरिम अध्यक्ष पद के लिए मुझ पर भरोसा जताने के लिए शुक्रिया अदा करता हूं। मैं अध्यक्ष पद के लिए खड़ा नहीं होना चाहता इसलिए मैं पूरी तरह से बदलावों पर ध्यान दूंगा। उन्होंने कहा, मैं इस बात से खुश हूं कि आईडब्ल्यूएफ कार्यकारी बोर्ड ने हमारे अंतर्राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी के साथ करार को अगली ओलम्पिक साइकल, 2024 के लिए बढ़ा दिया है। इससे हमें एक सफल करार में योगदान देने में मदद मिलेगी जिसके माध्यम से आईटीए आईडब्ल्यूएफ की डोपिंग रोधी गतिविधियों को बेहतर कर रही है वो भी इस तरह से कि हम खेल की सर्वोच्च संस्था से स्वतंत्र रह सकें।

कोरोना के कारण इस साल नहीं, 2021 में होगा यूटेटे का चौथा संस्करण

मुंबई (एजेंसी)।

कोविड-19 महामारी के कारण अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटेटे) के चौथे संस्करण का आयोजन इस साल नहीं होगा। अब इसे 2021 में आयोजित किया जाएगा। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) और यूटेटे ने कई अहम चिंताओं, जिनमें खिलाड़ियों और लीग से जुड़े अन्य साझेदारों की सुरक्षा और हित प्रमुख हैं, को ध्यान में रखते हुए संयुक्त रूप से भारत के इस प्रीमियर टेबल टेनिस इवेंट को अगले साल तक के लिए स्थगित करने का फैसला लिया। यूटेटे को को-प्रोमोटर्स वीता दानी और नीरज बजाज ने साझा बयान में कहा,अगले साल ओलंपिक होना है और इस लिहाज से हमें खिलाड़ियों और साझेदारों को किसी भी प्रकार के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी खतरे में डालने से बचना चाहिए। इसके अलावा इंटरनेशनल ट्रेवल को लेकर पाबंदियां अभी भी जारी हैं और इस बारे में विस्तार से जानकारी का इंतजार है। टीटीएफआई से मौजूदा हालात पर चर्चा के बाद हम इस साझा नतीजे पर पहुंचे कि यूटेटे का आयोजन इस कैलेंडर साल में नहीं कराया जा सकता है। हम आशा करते हैं कि साल 2021 स्वस्थ और खुशहाल होगा और इसलिए, हमने यूटेटे को अगले साल कराने का फैसला ले रहे हैं। इसकी तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी। यूटेटे कई सारे भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों के लिए लान्चपैड होने के साथ-साथ भारत में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम का एक अहम हिस्सा रहा है और कई घरेलू टूर्नामेंट्स को भी सहयोग प्रदान कर रहा है। यूटेटे भारत में शीर्ष स्तरीय टेबल टेनिस का एक शानदार प्लेटफार्म बनकर उबरा क्योंकि इसमें हमारे देश के श्रेष्ठतम खिलाड़ी दुनिया भर के श्रेष्ठतम खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं और उनसे प्रतिस्पर्धा करते हैं। टीटीएफआई के महासचिव एमपी सिंह ने कहा, हम भी चाहते हैं कि टेबल टेनिस की शुरुआत हो लेकिन कई ऐसी बातें हैं जो चिंता का कारण हैं और हमने इन सब बातों पर विचार किया। इसके बाद हम इस नतीजे पर पहुंचे कि मौजूदा हालात में विदेशी खिलाड़ियों की मौजूदगी में यूटेटे का आयोजन समझदारी भरा फैसला नहीं होगा। इसी कारण हम लीग के चौथे सीजन का आयोजन 2021 में कराने को लेकर उत्साहित हैं। कोरोना महामारी को लेकर दुनिया भर में स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है और इसी कारण हम अगले साल यूटेटे का आयोजन अतिशीघ्र कराने के लिए विंडो तलाशेंगे।

आईएसएल : मुंबई सिटी ने फारुख चौधरी से किया करार

नई दिल्ली। मुंबई सिटी एफसी ने शुक्रवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अगले सीजन के लिए फारुख चौधरी के साथ करार करने की घोषणा की है। भारत की राष्ट्रीय टीम के सदस्य ने मुंबई के साथ तीन साल का करार किया है। वह अच्छा कर सकते हैं। चौधरी ने एक बयान में कहा, मुंबई सिटी का जो विजन है वो अहम है। मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि मेरे लिए, मेरे करियर को देखते हुए यह सही कदम होगा। मैं अपनी जीवन के इस नए अध्याय की शुरुआत करने को तैयार हूं। हम दर्शकों के सामने खेलना मिस करेंगे, लेकिन हम मुंबई की भावना को मैदान पर लेकर आएंगे। हम उनके लिए खेलेंगे। 2016 में वे केरला ब्लास्टर्स गए और फिर लोन पर मुंबई एफसी के लिए आईलीग में खेले। इसके बाद वह 2017 में आईएसएल टीम जमशेदपुर एफसी में चले गए। तीन सीजन तक वह जमशेदपुर से खेले। उन्होंने जमशेदपुर से 44 मैच खेले और तीन गोल किए। टीम के मुख्य कोच सर्जियो लोबेरा ने कहा, अपने खेल और विविधता से फारुख हमारे आक्रमण में नए आयाम लेकर आएंगे। हम उन्हें कल्ब में लाने के लिए प्रतिबद्ध थे। वह युवा है, वह भूखे हैं। उनमें अपने दम पर खेल को प्रभावित करने की क्षमता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आत्मबल की आराधना का पर्व नवरात्रि

नवरात्रि आत्मबल को प्रबल करने का अवसर है। नवरात्रि में नौ रूपों में देवी जनमानस के बीच आती हैं और मन और तन के शोघन का महत्व समझाती हैं। उनके नौ रूपों की आराधना का क्रम दर असल हमारे जीवन की वरीयताएं क्या होना चाहिए, यह भी समझाता है। सबसे पहले प्रकृति और प्रवृत्ति और सबसे अंत में धन।

नवरात्रि (17 अक्तूबर से 25 अक्तूबर) पर विशेष

नवरात्रि यानी आत्म-चिंतन और प्रकृति से एकाकार होने का एक पावन समय है। इस पर्व के पीछे हमारी सनातन परंपरा, सजगता और ऋतु जनित व्याधियों से लड़ने की तैयारी भी छिपी है। ऋतु परिवर्तन होने पर शरीर का आत्मबल कमजोर पड़ जाता है। ऐसे में नवरात्रि के रूप में हमको यह संदेश दिया जाता है कि नौ दिन तक अपने को ऋतु के मुताबिक तैयार करो। व्याधियों से लड़ने के लिए शारीरिक अनुशासन का पालन करो। इसलिए, हर ऋतुकाल में नवरात्रि के नौ दिन शारीरिक अनुशासन का संदेश लेकर आते हैं।

हर प्राणी के कुछ बल कहे गए हैं। मनुष्य के बलों में तीन बल आते हैं- विद्या, बुद्धि और विवेक। जिसके पास ये तीनों बल हों, उसमें आत्म-विश्वास की कमी नहीं होती और न ही उसका आत्मबल कमजोर पड़ता है। इसी प्रकार से तीन शोधन भी हैं। मनुष्य के लिए यह तीन शोधन- वात, पित्त और कफ हैं यानी शारीरिक दृष्टि से अपने को मजबूत करना। धन का स्थान बाद में आता है, पहले तन और मन के प्रकाश की कामना की गई है। और देवी भगवती की आराधना का पहला मूल मंत्र ही यही है बल प्राप्त करना और शरीर का शोधन करना। जिसने इसे प्राप्त कर लिया, उसका जीवन आलोकित हो गया।

मन की दो अवस्थाएं होती हैं। वह माया-मोह में पड़ता है या फिर नकारात्मक ऊर्जा की ओर जाता है। देवी कहती भी हैं, मन सबके पास होता है, हर जीव-जंतु अपना भला-बुरा सोचता है, लेकिन उसको यह नहीं पता होता कि कब क्या करना है। विवेक की पूंजी तो केवल मनुष्य के पास है, और किसी के पास नहीं। यही समझाने के लिए देवी भगवती नवरात्रि में नौ रूपों में आती हैं। प्रकृति से लेकर अंश-वंश तक का समस्त अर्थशास्त्र समझाती हैं।

देवी भगवती, महालक्ष्मी के रूप में सौभाग्य प्रदान करती हैं, काली के रूप में सृष्टि में अनुशासन रखती हैं और सरस्वती के रूप में शब्द-सुर संसार का संचालन करती हैं। देवी का पहला स्वरूप शैलपुत्री है और दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का। नवां स्वरूप सिद्धिदात्री यानी लक्ष्मी का है। यह क्रम बदल भी सकता था, लेकिन देवी ने सबसे पहले अपना स्वरूप प्रकृति और फिर प्रवृत्ति रखा। धन का स्थान अंत में है। नवरात्रि भी प्रकृति का ही उत्सव है। संकेत साफ है- प्रकृति बिगड़ी तो आपदा या महामारी निश्चित है।

देवी भले ही एक स्त्री के रूप में परिभाषित हों, लेकिन वह आत्मबल हैं। वह आद्या हैं। देवी शास्त्रों में उनके तीन बल कहे गए हैं- सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण। देवी वस्तुतः आपदा की देवी हैं। जब सृष्टि में महामारी फैली, आपदा आई तो देवी भगवती ने जन्म लिया। फिर चाहे वह शाकुंभरी बनकर आई हों या शताक्षी बनकर या पीताबंरा के रूप में। ऐसे में तमाम महामारी और व्याधियों को जीतने का एक ही मंत्र है- आत्मबल। कोरोना काल से बढ़ कर उदाहरण और क्या हो सकता है। देवी आराधना आत्मबल की प्रतीक हैं। श्री दुर्गा सप्तशती का प्रारम्भ ही कवच से होता है।

यह तन-मन का संदेशात्मक कवच है। विभिन्न देवियां शारीरिक अंगों की शक्ति हैं। समग्र रूप से यह शक्तियां दुर्गा या भवानी का रूप लेती हैं, जिसे शरीर कहा जाता है। शरीर के समस्त अवयवों की शक्तियां ही ऋतु-व्याधियों से लड़ती हैं। अर्गलास्तोत्र में, देवी काली से प्रार्थना होती है कि वह जगत का कल्याण करें। इसमें भी आरोग्यता प्रथम है। कीलकम् गुप्त है। यह मानसिक तप है। जप है।

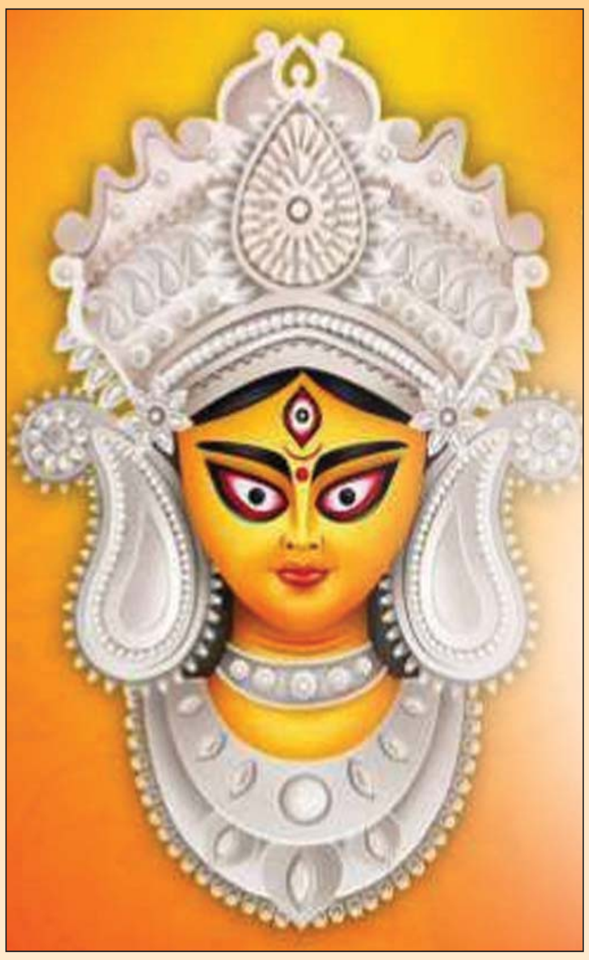

- देवी पूजा का एक क्रम बताया गया है, जैसे गुरु, गणपति, शिव, दुर्गा (देवी क्रमों में पहले पार्वती, फिर महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी), नारायण भगवान और अंत में नवग्रह शांति।
- देवी कवच, अर्गलास्तोत्र व कीलकम का खाली पाठ न करें। साथ में दुर्गा सप्तशती का पांचवां, आठवां,सप्तश्लोकी दुर्गा या सिद्धकुंजिका का पाठ करें। सिर्फ अर्गलास्तोत्र का पाठ कर सकते हैं, पर कवच व कीलक के साथ एक पाठ अतिरिक्त करना होगा।
- एक मंत्र ही नौ दिन जप करें। नौ दिन तीन काल-तीन सिद्धकुंजिका स्तोत्र के पाठ से नौ देवियों, दश महाविद्या व षोड्श माताओं की पूजा एक साथ हो जाएगी।

धारण करें देवी के बीज मंत्रों की ऊर्जा

श्री दुर्गा सप्तशती सात सौ श्लोकों का ग्रंथ है। यह केवल देवी चरित नहीं है। इसमें चार तत्व शोधन यानी चिकित्सा भी हैं।

ऊं ऐं आत्मतत्वं शोधयामि
ऊं ह्रीं विद्यातत्वं शोधयामि
ऊं क्लीं शिवतत्वं शोधयामि
ऊं ह्रीं क्लीं सर्वतत्वं शोधयामि

इसके मूल में बीज मंत्र हैं। हर बीज मंत्र की अपार शक्ति है। पूरी दुर्गा सप्तशती में सवा सौ से भी अधिक बीज मंत्र हैं। प्रसिद्ध बीजमंत्र 'ऊं ऐं ह्रीं क्लीं' हैं। यह बीज मंत्र हमारे शरीर के तीन अवयव मन-बुद्धि-विवेक को नियंत्रित करता है। हर मंत्र की स्तंभन शक्ति है, जो शरीर को स्वस्थ रखने का कार्य करती है।

नवरात्रि में बीज मंत्रों से भी पूजा हो सकती है। यदि विधि-विधान से पूजा करने का अवसर नहीं मिले, तो बीज मंत्रों के माध्यम से देवी की आराधना हो सकती है। ये समस्त बीज मंत्र आत्मबल वृद्धिकारक और शोधन के हैं। कुछ बीज मंत्र इस प्रकार हैं- ऊंदुं दुर्गायै नमः, ऊं श्रीं क्लीं ह्रीं, ऊं श्रीं श्रीं क्लीं हूं, ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे, भ्रां भ्रीं भ्रूं आदि। इनमें से किसी भी एक मंत्र को सामर्थ्य के अनुसार पढ़ा जा सकता है।

नवरात्रि पर ये हैं कलश स्थापना के शुभ चौघड़िया और अभिजीत मुहूर्त

शुभफल प्राप्ति के लिए इस लग्न में करें घटस्थापना

मां भगवती को पूजने ,मनाने, एवं शुभ कृपा प्राप्त करने का सबसे उत्तम समय आश्विन शुक्ल पक्ष में प्रतिपदा से नवमी तक होता है। आश्विन मास में पड़ने वाले इस नवरात्र को शारदीय नवरात्र कहा जाता है। इस नवरात्र की विशेषता है कि हम घरों में कलश स्थापना के साथ-साथ पूजा पंडालों में भी स्थापित करके मां भगवती की आराधना करते हैं।

उत्थान ज्योतिष संस्थान के निदेशक ज्योतिर्विद पं दिवाकर त्रिपाठी पूर्वांचली ने बताया कि इस शारदीय नवरात्र आश्विन शुक्ल पक्ष की उदय कालिक प्रतिपदा तिथि 17 अक्टूबर दिन शनिवार से शुरू हो रहे हैं । प्रतिपदा तिथि को माता के प्रथम स्वरूप शैल पुत्री के साथ ही कलश स्थापना के लिए भी अति महत्त्वपूर्ण दिन होता है। कलश स्थापना या कोई भी शुभ कार्य शुभ समय एवं तिथि में किया जाना उत्तम होता है। इसलिए इस दिन कलश स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त पर विचार किया जाना अत्यावश्यक है।

अभिजीत मुहूर्त सभी शुभ कार्यों के लिए अति उत्तम होता है। जो मध्यान्ह 11:36 से 12:24 तक होगा।

चूंकि चित्रा नक्षत्र में कलश स्थापना प्रशस्त नहीं माना गया है। अत: चित्रा नक्षत्र की समाप्ति दिन में 2:20 बजे के बाद किया जा सकेगा।

स्थिर लग्न कुम्भ दोपहर 2:30 से 3:55 तक होगा साथ ही शुभ चौघड़िया भी इस समय प्राप्त होगी अत: यह अवधि कलश स्थापना हेतु अतिउत्तम है।

दूसरा स्थिर लग्न वृष रात में 07:06 से 09:02 बजे तक होगा परंतु चौघड़िया 07:30 तक ही शुभ है अत: 07:08 से 07:30 बजे के बीच मे कलश स्थापना किया जा सकता है।

नौ दिन कैसे करें कन्या-पूजन

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। कहते हैं, नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है।

- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए ः गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अतः कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अतः इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

नवरात्रि के चमत्कारिक दिव्य मंत्र

वर्तमान में मनुष्य ने अपने जीवन को इतनी आवश्यकताओं से घेर लिया है कि वह उनमें ही उलझा रहता है। ऐसे मनुष्यों के लिए समस्याओं को हल करने के लिए सरलतम मंत्र दे रहे हैं। जो नवरात्रि में करने से सफलता मिलती है एवं समस्या से छुटकारा मिलता है। ऐसे पावन नौ दिनों के लिए दिव्य मंत्र दिए जा रहे हैं, जिनके विधिवत परायण करने से स्वयं के नाना प्रकार के कार्य व सामूहिक रूप से दूसरों के कार्य पूर्ण होते हैं। इन मंत्रों को नौ दिनों में अवश्य जाप करें। इनसे यश, सुख, समृद्धि, पराक्रम, वैभव, बुद्धि, ज्ञान, सेहत, आयु, विद्या, धन, संपत्ति, ऐश्वर्य सभी की प्राप्ति होती है। विपत्तियों का नाश होगा।

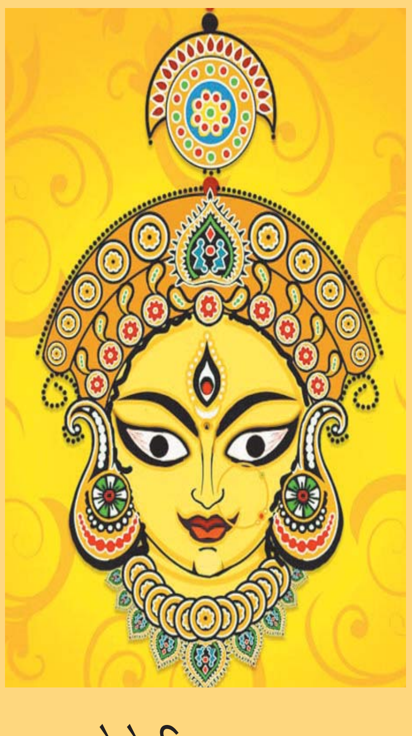

विपत्ति-नाश के लिए

शरणागतदीनार्तपरित्राणपरायणे।
सर्वस्यापहरे देवि नारायणि नमोस्तुते।।

भय नाश के लिए

सर्वस्वरूपे सर्वेश सर्वशक्तिसमन्विते।
भयेभ्यस्त्राहि नो देवि, दुर्गे देवि नमोस्तुते।।

पाप नाश तथा भक्ति की प्राप्ति के लिए

नमेभ्य सर्वदा भक्त्या चण्डिके दुरितापहे।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि।।

हर प्रकार के कल्याण के लिए

सर्वमंगल्यमांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते।।

धन, पुत्रादि प्राप्ति के लिए

सर्वबाधाविनिर्मुक्तो-धनधान्यसुतान्वित
मनुष्यों मत्प्रसादेन भविष्यति न संशय।।

रक्षा पाने के लिए

शूलेन पाहि नो देवि पाहि खंडे न चाम्बिके।
घण्टास्वनेन न पाहि चापज्यानि स्वनेन च।।

मोक्ष की प्राप्ति के लिए

त्वं वैष्णवी शक्तिरन्तवीर्या।
विश्वस्य बीजं परमासि माया।
सम्मोहितं देवि समस्तमेत
त्वं वै प्रसन्ना भूवि मुक्ति हेतु।।

बाधा व शांति के लिए

सर्वबाधाप्रमशन त्रैलोक्याखिलेश्वरि।
एवमेव त्वया कार्यमस्यद्वैरिविनाशन्रम।।

सुलक्षणा पत्नी की प्राप्ति के लिए

पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम
तारिणी दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम।।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीमा विवाद को लेकर भारत से चिढ़ा चीन, जिनपिंग ने सैनिकों को युद्ध की तैयारी के दिए आदेश

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन अपनी आक्रामक और विस्तारवादी नीतियों के कारण दुनिया के कई देशों की आंख में खटक रहा है। भारत के साथ सीमा विवाद के अलावा हांगकांग, उइगरों पर अत्याचार, दक्षिण चीन सागर व ताइवान व कोरोना वायरस को लेकर ड्रैगन चारों तरफ से घिरा हुआ है। लेकिन चीन पर शायद इन बगावती सुरों का कोई असर नजर नहीं आ रहा है। दूसरे की जमीन हथियाने वाले चीन के सिर पर फिर खून सवार हो गया है। भारत के साथ सीमा विवाद से चिढ़े चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपनी सेना को युद्ध के लिए तैयार रहने का आदेश दे दिया है।

शी जिनपिंग ने सैन्य अड्डे का किया दौरा

नचीन के गुआंगडोंग इलाके में एक सैन्य अड्डे के दौरे के दौरान शी जिनपिंग ने सैनिकों को युद्ध के लिए तैयार रहने और हमेशा हाई अलर्ट की स्थिति में रहने के लिए कहा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शी जिनपिंग ने अपने बयान में सैनिकों से कहा, आपको अपना दिमाग और पूरी ऊर्जा युद्ध की तैयारी के लिए लगाना चाहिए. साथ ही आपको अपनी ट्रेनिंग में जंग की तैयारी पर फोकस रखना चाहिए। अपनी ट्रेनिंग के मानकों और लड़ाकू क्षमता को बढ़ाएं।' बता दें कि भारत और चीन के कोर कमांडर स्तर की सोमवार को हुई बैठक में कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाया है, सिवाए इसके कि दोनों देश बातचीत को और आगे बढ़ाना चाहते हैं ताकि एलएसी पर जल्द से जल्द डिसइंगेजमेंट हो सके।

भारत के सीमावर्ती इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर उतारी खीझ

चीन ने इस बीच भारत के सीमावर्ती इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर अपनी खीझ उतारी है। करीब 13 घंटे चली बैठक के बाद मंगलवार को दोनों देशों ने साझा प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा के पश्चिमी सेक्टर (पूर्वी लद्दाख से सटी एलएसी पर) में डिसइंगेजमेंट को लेकर गहन विचार विमर्श किया है। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच सीमा विवाद छठे महीने में प्रवेश कर चुका है। भारत और चीन ने बेहद ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगभग एक लाख सैनिक तैनात कर रखे हैं जो लंबे गतिरोध में डटे रहने की तैयारी है। भारतीय सैनिकों ने 29 और 30 अगस्त की रात पैंगोंग नदी के दक्षिणी किनारे स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कई ऊंचाइयों पर कब्जा कर लिया था जिससे वहां भारतीय सेना की स्थिति काफी मजबूत हो गई है। भारतीय सेना ने चीनी सेना के जवाब में सीमा पर टैंक और अन्य भारी अस्त्र-शस्त्र उतार दिए हैं। ईंधन, भोजन और सर्दियों में काम आने वाली चीजों की पर्याप्त व्यवस्था की है।

पाकिस्तान में एक दिन में दो आतंकी हमले, 20 सैनिकों की मौत पर इमरान खान ने जताया दुख

(एजेंसी)।

पाकिस्तान के पश्चिमी हिस्से में हुए दो अलग-अलग आतंकवादी हमलों में कम से कम 20 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गयी। पाकिस्तान के दैनिक समाचार पत्र द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक पहला हमला पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर जिले में हुआ जबकि दूसरा हमला खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में हुआ। उत्तरी वज़ीरिस्तान के रजमाक क्षेत्र में एक आईईडी विस्फोट हुआ जिसमें एक अधिकारी समेत छह सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गयी। जबकि बलूचिस्तान के ओरमारा शहर में आतंकवादियों ने तेल एवं गैस विकास कंपनी लिमिटेड के एक काफिले पर हमला कर दिया जिसमें 14 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गयी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इन हमलों की निंदा करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। ग्वादर में एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने बलूचिस्तान-हब-कराची तटीय राजमार्ग पर ओरमारा के निकट पहाड़ों से काफिले पर हमला किया। सेना ने बताया कि इस हमले को साजिश रचकर अंजाम दिया गया है और आतंकवादियों को पहले से ही काफिले के कराची जाने की जानकारी दी। वे काफिले की प्रतीक्षा कर रहे थे। एफसी के अन्य कर्मी काफिले को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में सफल रहे। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की मुख्य विकास परियोजनाओं में ग्वादर बंदरगाह अहम है और सरकारी संस्थानों के अधिकारी तथा विदेश कर्मचारी यहां भारी सुरक्षा के बीच काम करते हैं। किसी भी प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन, आतंकवादी संगठन या किसी अन्य समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

चीन को सबक सिखाने के लिए अमेरिका ने खेला 'तिब्बत कार्ड'

लॉस एंजलिस (एजेंसी):

चीन के साथ बिगड़ते संबंधों को लेकर अमेरिका अब ड्रैगन को सबक सिखाने के मूड में है। चीन की आक्रमकता का जवाब देने के लिए अमेरिका ने ऐसा तिब्बत कार्ड खेला है कि ड्रैगन बैकफुट पर आने को मजबूर हो गया है। ट्रंप प्रशासन ने सहायक सचिव रॉबर्ट ए डेस्ट्रो को तिब्बती मुद्दों के लिए विशेष सचिव (special coordinator) के रूप में नामित किया है। वे इस क्षेत्र में चीन के मानवाधिकार उल्लंघन और तिब्बती लोगों की समस्याओं पर बारीकी से नजर रखेंगे। चीन मामलों के जानकार विशेषज्ञों ने कहा है कि अमेरिका के हाल के फैसलों से है। अभी दो महीने पहले ही चीन ने चेंगदू में स्थित अमेरिकी वाणिज्यिक दूतावास को तिब्बत में जासूसी करने के आरोप में बंद किया था। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि वे पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (PRC) और दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के बीच संवाद को बढ़ावा देने के अमेरिकी प्रयासों का नेतृत्व करेंगे। इसके अलावा वे तिब्बतियों की अद्वितीय धार्मिक सांस्कृतिक और भाषाई पहचान की रक्षा करेंगे। वे उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए दबाव बनाएंगे। डेस्ट्रो इस क्षेत्र में मानवीय जरूरतों को संबोधित करने के अमेरिकी प्रयासों का भी समर्थन करेंगे। तिब्बत में अत्याचार करने वाले चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अधिकारियों के ऊपर अमेरिका पहले ही प्रतिबंध लगा चुका है। अमेरिका ने रेसिप्रोकल ऐक्सेस टू तिब्बत कानून के तहत चीन के अधिकारियों के एक समूह पर वीजा प्रतिबंध लगाया था। अमेरिका ने आरोप लगाया था कि ये अधिकारी तिब्बत में विदेशियों के पहुंच को रोकने का काम कर रहे हैं। अमेरिका ने रेसिप्रोकल ऐक्सेस टू तिब्बत कानून (तिब्बत में पारस्परिक पहुंच कानून), 2018 में बनाया था। इसे अमेरिका में कानून के रूप में दिसंबर 2018 में मान्यता दी गई थी। यह उन चीनी अधिकारियों के अमेरिका में प्रवेश को रोकने से संबंधित है जो तिब्बत में विदेशियों के प्रवेश को रोकने का काम करते हैं। दरअसल अमेरिका शुरू से ही तिब्बत की स्वायत्तता का समर्थन करता रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने भी कुछ दिन पहले कहा था कि हम तिब्बती लोगों की सार्थक स्वायत्तता के लिए, उनके बुनियादी तथा अहस्तांतरणीय मानवाधिकारों के लिए, उनके विशिष्ट धर्म, संस्कृति और भाषायी पहचान को संरक्षित रखने की खातिर काम करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

अस्पताल की एक गलती से डरा चीन! अचानक एक करोड़ लोगों की करा दी कोविड-19 की जांच

(एजेंसी)।

चीन के चिंगदाओ में एक अस्पताल को सही ढंग से संक्रमण मुक्त नहीं किये जाने के चलते कोविड-19 के मामलों में तेज उछाल देखा गया था, जिसकी वजह से शहर में एक करोड़ से अधिक लोगों की जांच की जा रही है। स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। शहर में जिन एक करोड़ से अधिक लोगों जांच की गई, उनमें से कोई भी कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाया गया है। प्रांतीय स्वास्थ्य आयोग के एक दल के उप प्रमुख मा लिक्सिन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चिंगदाओ चेस्ट अस्पताल के सीटी कक्ष को सही ढंग से संक्रमण मुक्त नहीं किये जाने के चलते चिंगदाओ शहर में कोविड-19 के मामलो में तेज उछाल देखा गया था। सरकार द्वारा संचालित समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने लिक्सिन के हवाले से कहा कि लोगों के एक-दूसरे से संपर्क में आने के चलते कोविड-19 के मामलो में तेजी आने की संभावना भी नहीं है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक संक्रमण नहीं फैला। चिंगदाओ में संक्रमण के मामलों में उछाल को लेकर देशभर में चिंताएं व्याप्त हो गई थीं क्योंकि हाल ही में राष्ट्रीय दिवस अवकाशों के दौरान हजारों पर्यटक इस शहर में आए थे। सरकार द्वारा संचालित 'चाइना डेली' की खबर के अनुसार वीरवार तक 1 करोड़ 4 लाख लोगों के नमूनों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से 88 लाख नमूनों की जांच के नतीजे जारी किए जा चुके हैं। शहर के उप मेयर तथा जन सुरक्षा ब्यूरो के प्रमुख सुई रुवेन ने कहा कि पहले ही पृथक वास में भेजे जा चुके लोगों के अलावा अन्य लोग संक्रमण की चपेट में नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि एक करोड़ 10 लाख लोगों की जांच की जानी है। शुक्रवार तक सभी लोगों की जांच हो जाने की संभावना है।

चीनी कोविड-19 टीका मानव परीक्षण के लिए सुरक्षित और प्रभावी हैः अध्ययन

बीजिंग, चीन में परीक्षण किये जा रहे कोविड-19 टीकों में शामिल बीबीआईबीपी-कोरवी को एक छोटे प्रारंभिक चरण के मानव परीक्षण में सुरक्षित और प्रभावी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करने में कारगर पाया गया है। शोधकर्ताओं ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक दूसरे टीके के लिए किए गए पिछले नैदानिक परीक्षण में भी इसी तरह के नतीजे सामने आए थे जो निष्क्रिय किए गए सार्स-कोव-2 वायरस पर ही आधारित थे, लेकिन उस शोध में केवल 60 वर्ष से कम आयु के लोगों में इस टीके का परीक्षण किया गया था। 'द लांसेट इन्फेक्शियस डिजिज' नामक पत्रिका में प्रकाशित नवीनतम अध्ययन के अनुसार, इस शोध में 18 से 80 वर्ष की आयु के प्रतिभागी शामिल थे और पाया गया कि सभी प्राप्तकर्ताओं में एंटीबॉडी की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि 60 वर्ष और इससे अधिक आयु के प्रतिभागियों में एंटीबॉडी की प्रतिक्रिया धीमी थी, जिन्हें 42 दिनों का समय लगा, जबकि 18-59 आयु वर्ग के प्रतिभागियों में एंटीबॉडी की प्रतिक्रिया उत्पन्न करने में 28 दिन लगे। उन्होंने कहा कि 18-59 आयु वर्ग के लोगों की तुलना में 60-80 वर्ष की आयु में एंटीबॉडी का स्तर भी कम था। परीक्षण में प्रयुक्त बीबीआईबीपी-कोरवी टीका वायरस के एक नमूने पर आधारित है जिसे चीन में एक मरीज से निकाल कर अलग किया गया था। वायरस के स्टॉक को सेल लाइनों का उपयोग करके प्रयोगशाला में पैदा किया गया और फिर बीटा-प्रोप्रायोलेक्टोन नामक एक रसायन का उपयोग करके इसे निष्क्रिय किया गया। बीबीआईबीपी-कोरवी में मारे गए वायरस शामिल होते हैं, जिसमें एक अन्य घटक एल्युमिनियम हाइड्रोक्साइड होता है, जिसे एक सहायक घटक कहा जाता है क्योंकि यह प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को बढ़ाने के लिए जाना जाता है।

फेफड़ों में थोड़ा-बहुत संक्रमण हुआ थाः ट्रंप

वाशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनमें कोरोना वायरस संक्रमण का अब कोई लक्षण नहीं बचा है। हालांकि ट्रंप ने कहा कि डॉक्टरों का कहना है कि जब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तो फेफड़ों में 'थोड़ा बहुत संक्रमण' था। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को एनबीसी पर टाउन हॉल की तर्ज पर हुए कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। वह बिना मास्क मंच पर बैठे हुए थे जबकि उसी मंच पर कई लोग एक दूसरे से दूरी बनाए हुए मास्क लगाकर बैठे थे। उनके प्रतिद्वंद्वी और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडन ने इसी समय एक ऐसे ही कार्यक्रम में दूसरे टीवी नेटवर्क पर शिरकत की।

कॉल सेंटर के जरिए होता था शर्मनाक काम, बुजुर्गों को बनाया जाता था ज्यादातर शिकार

वाशिंगटन। भारत की जांच एजेंसी सीबीआई और अमेरिका के न्याय विभाग ने अभूतपूर्व तालमेल का परिचय देते हुए अमेरिका में कथित रूप से सैंकड़ों बुजुर्गों और अरक्षित लोगों को धोखा देने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह का सरगना एक अमेरिकी नागरिक है और यह भारत से कॉल सेंटरों के जरिये अपना काम कर रहा था। अमेरिका के न्याय विभाग ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि कैलिफोर्निया का निवासी माइकल ब्रायन कोटर (59) तकनीकी समर्थन प्रदान करने के नाम पर चलाए जाने वाली इस योजना को आगे बढ़ाने के लिये भारत में अपने साथियों को मदद मुहैया कराता था। अमेरिका में एक शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद एक संघीय अदालत ने कोटर और उसकी पांच कंपनियों को इस योजना को बंद करने का आदेश दिया है, जिसके तहत अमेरिका में कथित रूप से सैंकड़ों बुजुर्गों और अरक्षित वर्गों को धोखाधड़ी का शिकार बनाया जा चुका है। बयान में कहा गया है कि सीबीआई को जब यह पता चला कि ये कंपनियां भारत में विभिन्न स्थानों से अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी योजना को अंजाम दे रही हैं, तो उसने इस योजना में शामिल पांच कंपनियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया और इससे जुड़े लोगों की पहचान करने तथा उनका पता लगाने की कवायद शुरू की। बयान के अनुसार इन कंपनियों के दफ्तरों और इनके निदेशकों के आवासों पर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। विभाग के बयान में कहा गया है, सीबीआई ने अभूतपूर्व तालमेल का परिचय देते हुए, भारत में दिल्ली, नोएडा, गुड़गांव और जयपुर में इस योजना में शामिल कंपनियों और लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। न्याय विभाग ने कहा कि सीबीआई ने तलाशी अभियान के दौरान योजना से संबंधित डिजिटल सबूतों को एकत्रित कर उन्हें जब्त कर लिया।

चीन, रूस के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहा है अमेरिका : चीनी अधिकारी

बीजिंग . चीन ने शुक्रवार को अमेरिका पर रूस के साथ उसके संबंधों में दरार डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी दबाव झेलने के लिहाज से काफी मजबूत है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने रूस के विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव के खबरों में आये एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही। लावरोव ने कहा था, "चीन और रूस किसी भी परिस्थिति में पश्चिमी नियमों के अनुसार चलेंगे, इस तरह के विचार बहुत दोषपूर्ण हैं।'' लावरोव ने एक चैनल को दिये साक्षात्कार में कहा था कि अमेरिका कूटनीतिक सिद्धांतों को दरकिनार कर रहा है और उसने रूस से चीन को नियंत्रित करने में मदद करने को कहा है। इस बारे में प्रतिक्रिया मांगे जाने पर झाओ ने कहा कि वाशिंगटन, मास्को और बीजिंग के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहा है। झाओ ने कहा, ''चीन और रूस के बीच दरार पैदा करने की किसी देश की कोशिश के जवाब में लावरोव ने अनेक बार स्पष्ट रूप से विरोध जाहिर किया है और चीन तथा रूस के बीच अंतराल पैदा करने की इस तरह की कोशिशों की गहन आलोचना की है और बड़े देश ऐसा बर्ताव नहीं करते।''

फ्रांस में नहीं थम रहा करोना का कहर, 24 घंटे के दौरान सामने आए 30,621 नए मामले

पेरिस (एजेंसी)।

फ्रांस में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) के रिकॉर्ड 30,621 नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले 10 अक्टूबर को कोरोना वायरस के रिकॉर्ड 26,896 नए मामले सामने आए थे।फ्रांस में कोरोना वायरस के मामले 809,684 पहुंच गए हैं। इस दौरान कोरोना वायरस से 88 और लोगों की मौत हुई है जिसके बाद इस महामारी से मरने वालों की संख्या 33,125 हो गई है। इस बीच फ्रांस के प्रधानमंत्री जीन कैस्टेक्स ने कहा, 'निश्चित रूप से स्थिति और खराब होती जा रही है।' फ्रांस में कोरोना वायरस के मद्देनजर लगाए गए आपातकाल को शनिवार को 30 दिन हो जाएंगे। श्री कैस्टेक्स ने साप्ताहिक प्रेस सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि अगर संसद अनुमति देती है तो कोरोना वायरस से निपटने के लिए अधिकारियों की दी गई अतिरिक्त शक्ति की अवधि को आगे बढ़ा दिया जाएगा। फ्रांस में महामारी को फैलने से रोकने के प्रयास के तहत पेरिस और अन्य आठ मुख्य शहरों में रात को नौ बजे से लेकर सुबह छह बजे तक कर्फ्यू लगाया गया है।

इमरान सरकार के खिलाफ PAK के गुजरांवाला में विपक्षी दलों की मेगा रैली, नवाज शरीफ भी करेंगे संबोधित

इंटरनेशनल डेस्कः पाकिस्तान में शुक्रवार 16 अक्तूबर को विपक्षी दल इमरान सरकार के खिलाफ पहली संयुक्त रैली करने जा रहे हैं। यह रैली देश के सबसे बड़े राज्य पंजाब के गुजरांवाला में हो रही है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ भी इस में संबोधित करेंगे। नवाज शरीफ इस रैली को लंदन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करेंगे। रैली में विपक्ष के वे तमाम बड़े नेता हिस्सा लेंगे जो इस वक्त जेल से बाहर हैं। मौलाना फजल-उर-रहमान के अलावा बिलावल भुट्टो जरदारी, मरियम नवाज, पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खकान अब्बासी और यूसुफ रजा गिलानी इसमें शामिल होंगे। विपक्षी दलों का संगठन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएम) रैली करेगा। पंजाब के कई शहरों के बाद विपक्षी दल पीओके, सिंध, गिलगिट-बाल्टिस्तान और कराची में रैली करेंगे। बता दें कि पाकिस्तान में सरकार के खिलाफ शुक्रवार को होने वाली पहली महारैली से पहले लाहौर और पंजाब प्रांत के अन्य इलाकों में विपक्षी पार्टियों के 450 से अधिक कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज किया गया है। प्रधानमंत्री इमरान खान को अपदस्थ करने के लिए बना एक गठबंधन यह महारैली करने जा रहा है। पहली सरकार विरोध रैली शुक्रवार को लाहौर से करीब 80 किमी दूर गुजरांवाला शहर में होने का कार्यक्रम है। इसके बाद 18 अक्तूबर को कराची में, क्वेटा में 25 अक्तूबर को, पेशावर में 22 नवंबर को, मुल्तान में 30 नवंबर को और फिर 13 दिसंबर को लाहौर में एक रैली होने का कार्यक्रम है। विपक्षी नेताओं ने यह घोषणा की है कि वे "चयनित" प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग करने के लिए सभी राजनीतिक एवं लोकतांत्रिक विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे। पिछले साल नवंबर से लंदन में रह रहे पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने ट्वीट कर कहा कि पुलिस को पीडीएम नेताओं को गिरफ्तार करने से दूर रहना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री एवं पीडीएम नेता शाहिद खाकान अब्बासी ने कहा कि इस सरकार द्वारा पैदा की गई अभूतपूर्व महंगाई और बेरोजगारी के चलते लोगों के लिए अपने परिवारों का पेट पालना मुश्किल हो रहा है। पाकिस्तान के इतिहास में यह सबसे भ्रष्ट सरकार है। इस बीच, सरकार ने विपक्ष को गुजरांवाला स्टेडियम में इस शर्त के साथ रैली करने की इजाजत दे दी है कि सेना और न्यायपालिका के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की जाएगी।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान से सामान्य रिश्ते रखना बहुत मुश्किलः एस जयशंकर

न्यूयॉर्क (एजेंसी):

पाकिस्तान सरकार आतंकवाद को सार्वजनिक तौर पर ऐसी नीति मानती रही है जिसे वह जायज ठहराती है और इस वजह से उसके साथ संबंध सामान्य करना भारत के लिए बहुत मुश्किल हो रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को यह बात कही। एशिया सोसायटी द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन समारोह को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा, ''पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद उनकी सरकार द्वारा सार्वजनिक रूप से स्वीकार की गयी ऐसी नीति बना हुआ है जिसे वह जायज ठहरा रहे हैं। इसलिए उनके साथ रिश्ते सामान्य करना बहुत मुश्किल हो गया है।'' जयशंकर ने कहा कि केवल आतंकवाद ही नहीं है, बल्कि पाकिस्तान भारत के साथ सामान्य कारोबार नहीं करता और उसने नयी दिल्ली को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा नहीं दिया है। उन्होंने कहा, ''हमारे सामान्य वीजा संबंध नहीं हैं और वे इस मामले में बहुत प्रतिबंधात्मक हैं। उन्होंने भारत और अफगानिस्तान के बीच तथा अफगानिस्तान से भारत तक कनेक्टिविटी बाधित की है।'' जयशंकर ने कहा कि सामान्य पड़ोसी वीजा और कारोबारी संबंध रखते हैं, वे आपको कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात कि वे आतंकवाद को बढ़ावा नहीं देते। उन्होंने कहा, ''और मेरा मानना है कि जब तक हम इस समस्या पर ध्यान नहीं देंगे, तो इस बहुत विचित्र पड़ोसी के साथ सामान्य संबंध कैसे रख जाएं, यह हमारी विदेश नीति के लिए बहुत बड़ी समस्या वाला विषय है।' पिछले साल विभाजन के बाद से कश्मीर के घटनाक्रम के सवाल पर जयशंकर ने कहा कि पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य अब दो केंद्रशासित प्रदेशों में बंट गया है। उन्होंने कहा, ''भारत की बाहरी सीमाएं नहीं बदली हैं। जहां तक हमारे पड़ोसी देशों की बात है, तो उनके लिए हमारा कहना है कि यह हमारे लिए आंतरिक विषय है। हर देश अपने प्रशासनिक न्यायक्षेत्र को बदलने के अधिकार रखता है। चीन जैसे देश ने भी अपने प्रांतों की सीमाएं बदली हैं और मुझे विश्वास है कि अन्य कई देश ऐसा करते हैं।' उन्होंने कहा, ''पड़ोसी तभी प्रभावित होते हैं जब आपकी बाहरी सीमाएं बदलती हैं। इस मामले में ऐसा नहीं है।' पाकिस्तान के आतंकी समूहों द्वारा 2016 में पठानकोट वायु सेना केंद्र पर आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में तनाव आ गया था। इसके बाद उरी में भारतीय सेना के शिविर पर हमले समेत अन्य हमलों ने संबंधों को और बिगाड़ दिया। पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में भारत के जंगी विमानों ने पिछले साल 26 फरवरी को पाकिस्तान के भीतर मौजूद जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी शिविर को तबाह कर दिया था। पिछले साल जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे वाले प्रावधानों को समाप्त करने और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने पर भी पाकिस्तान की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया आई थी और वह कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की असफल कोशिश करता रहा है।

बंदी की मौत के मामले में मजिस्ट्रेट से जांच के आदेश

जौनपुर (एजेसी)। जिला कारागार में बंदी की मौत के मामले में अदालत ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिये हैं। इस मामले में अपर सत्र न्यायाधीश (चतुर्थ) प्रकाश चन्द्र शुक्ला ने सीजेएम कोर्ट के आदेश को निरस्त करते हुए आदेश दिया कि बंदी की मृत्यु के कारण की जांच मजिस्ट्रेट द्वारा किए जाने का प्रावधान है।

जानकारी के मुताबिक मृतक के पिता राजाराम ने निचली अदालत में जेल अधीक्षक और वार्डन समेत छह आरोपियों के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया था कि जेल में उसके पुत्र संजय के साथ बंदियों से मारपीट हुई थी। इलाज के दौरान उसकी बीएचयू में मृत्यु हुई।

उधर क्षेत्राधिकारी ने मामले में रिपोर्ट दिया कि संजय बीमार था और उसका इलाज बीएचयू में हो रहा था वही इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

रिपोर्ट के आधार पर सीजेएम ने प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया। मृतक के पिता राजाराम ने सेशन कोर्ट में निगरानी दाखिल किया कि जेल में और जेल के बाहर के अस्पतालों में संजय के इलाज के बाबत भी कोई प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया न ही डॉक्टर का बयान लिया गया।

सुनियोजित ढंग से मारपीट के बाद संजय का दवा इलाज नहीं कराया गया जिससे उसकी मृत्यु हो जाए। उसने हत्या का आरोप लगाया।

कोर्ट ने आदेश दिया के न्यायिक अभिरक्षा में मृत्यु के संबंध में मजिस्ट्रेट की जांच का प्रावधान है क्योंकि जांच से स्पष्ट हो जाता कि मृत्यु स्वाभाविक है अथवा अस्वाभाविक, जेल में निरूद्ध रहने के दौरान क्या चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई गई।

सीबीएसई स्कूल मैनेजमेंट एसो. ने लिया निर्णय

कोविड नियमों के तहत 19 से खुलेंगे स्कूल

हाथरस (एजेसी)। आज सी बी एस ई स्कूलस मैनेजमेंट एसोसिएशन की बैठक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. उमाशंकर शर्मा (लार्ड साहब) एवं सचिव एपी सिंह की मौजूदगी में संम्पन्न हुई। जिसमें कोविड– 19 के परिपेक्ष्य में जिले में संचालित सी बी एस ई बोर्ड के कक्षा 9 से 12 तक के स्कूलों में भौतिक रूप से पठन पाठन पुनः प्रारम्भ किये जाने पर मंथन किया गया।

बैठक में मौजूद सभी स्कूल संचालकों ने प्रदेश सरकार द्वारा जारी की गई एस ओ पी को ध्यान में रखते हुए अपने–अपने स्कूलों को 19 अक्टूबर से कक्षा 9 से 12 तक पुनः खोलने का निर्णय लिया तथा यह भी तय किया कि सभी स्कूलों को पूरी तरह सेनेटाइज किया जायेगा और स्कूलों में सेनेटाइजर, हैंडवॉश, थर्मल स्कैनिंग एवं प्राथमिक उपचार की उचित व्यवस्था भी की जायेगी। विद्यार्थियों को उनके माता– पिता, अभिभावकों की लिखित सहमति के उपरान्त ही पठन–पाठन हेतु स्कूल में बुलाया जायेगा तथा ऑनलाइन कक्षाओं को सुचारू रूप से आगे भी चलाया जायेगा।

स्कूल में सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा स्कूल के अन्य कर्मचारियों को मास्क पहनना अनिवार्य होगा व कोविड–19 के फैलाव तथा उसके बचाव के उपायों से समस्त विद्यार्थियों को जागरूक किया जायेगा।

अंत में अध्यक्ष ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुऐ सभी का धन्यवाद किया।

इस मौके पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष दिनेश सेक्सरिया, राज. कुमार, डॉ.विकास सिंह, भारतेन्द्र सिंह, उपसचिव रजनेश सिंह, सेठ ओमप्रकाश यादव (पूर्व चेयरमैन हसायन), सुभाष यादव, जीपी सिंह व हर्षित कुमार के साथ साथ सभी स्कूलों के संचालक मौजूद रहे।

कचहरी पर तारीख करने आये युवक पर युवती ने किया चाकू से हमलाःहडकम्प

हाथरस–जनपद न्यायालय प्रांगण में उस वक्त भारी हडकम्प व अफरा तफरी मच गई जब तारीख करने आए एक युवक पर एक युवती द्वारा चाकू से हमला कर देने से उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके पर जहां अधिवक्ताओं व वादकारियों की भीड़ लग गयी वहीं तत्काल कोर्ट की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा आरोपी युवती व उसकी साथी को हिरासत में ले लिया गया।

जबकि घायल को तत्काल उप.चार हेतु बागला जिला अस्पताल भिजवाया गया। बताया जाता है उक्त मामला रंजिश का है।

उक्त घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार ने बताया कि थाना कोतवाली सदर क्षेत्रान्तर्गत न्यायालय के बाहर एक महिला द्वारा एक युवक विनय शर्मा पुत्र राधेश्याम शर्मा निवासी गांव मांडी जिरौली सिकन्द्राराऊ पर चाकू से हमला किया गया। जिस पर कचहरी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए उक्त महिला तथा उसकी एक साथी को तत्काल चाकू सहित हिरासत में ले लिया गया तथा युवक को उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया। जहाँ उसकी हालत खतरे से बाहर है।

उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा महिला से की गयी पूछताछ मे उसने बताया कि वह तथा युवक विनय दोनों थाना सिकन्दराराऊ क्षेत्रान्तर्गत ग्राम माड़ी माजरा जिरौली के रहने वाले हैं तथा उक्त महिला पक्ष द्वारा विनय उपरोक्त के विरूद्ध थाना सिकन्दराराऊ पर धारा 363, 366, 354 भादवि व 7/8 पोक्सो एक्ट के तहत मुकद्मा पंजी.त कराया गया था। जबकि विनय पक्ष द्वारा उक्त महिला पक्ष के विरूद्ध धारा 147, 148, 149, 304 के तहत मुकद्मा पंजी.त कराया गया था।

आज उक्त पोक्सो एक्ट के मुकद्मे की तारीख पर उक्त महिला एवं युवक न्यायालय हाथरस आये थे जब महिला द्वारा अपने साथ लाये गये सब्जी काटने वाले चाकू से युवक पर वार कर दिया गया।

माता–पिता की सहमति पर ही स्कूल बुलाये बच्चों को–डीएम

हाथरस (एजेंसी)। कोविड–19 के परिप्रेक्ष्य में जनपद में संचालित समस्त शिक्षा बोर्डो के कक्षा 9–12 के विद्यालयों में भौतिक रूप से पठन–पाठन पुनः प्रारम्भ किए जाने के संबंध में आज जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार की अध्यक्षता में समस्त शिक्षा बोर्डो के विद्यालयों के प्रधानाचार्यो के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गयी।

जिलाधिकारी ने सभी प्रधानाचार्यो को विद्यार्थियों को उनके माता–पिता/अभिभावकों की लिखित सहमति के उपरान्त ही पठन–पाठन हेतु बुलाया जाये। उन्होंने कहा कि विद्यालय में उपस्थिति हेतु लचीला रूख अपनाया जाये तथा किसी विद्यार्थी को विद्यालय आने के लिए बाध्य न किया जाये। जिलाधिकारी ने समस्त प्रधानाचार्यो से कहा कि विद्यार्थियों में कोरोना के लक्षण पाये जाते हैं तो निम्न 05722–227073, 227041, 227042, 227043 दूरभाष नम्बरों पर अवगत करा सकते हैं। उन्होंने निर्देश दिये कि छात्र/छात्रायें एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ का नियमित रूप से थर्मल स्क्रीनिंग की जाये एवं कोविड–19 के फैलाव तथा उससे बचाव के उपायों से समस्त विद्यार्थियों एवं विद्याालय के समस्त स्टाफ को जागरूक किया जाये जिससे को.विड–19 की महामारी को फैलने से रोका जा सके। जिलाधिकारी ने आरोग्य सेतु एप को डाउनलोड कराने के साथ ही कन्या सुमंगला योजना एवं अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के पंजीकरण के सत्यापन में प्रगति लाने के निर्देश दिये।

जिला विद्यालय निरीक्षक सुनील कुमार ने शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि विद्यालय खोले जाने से पूर्व उन्हें पूरी तरह से सेनेटाईज किया जाए तथा यह प्रक्रिया प्रतिदिन प्रत्येक पाली के उपरान्त नियमित रूप से भी सुनिश्चित की जाये। विद्यालयों में सेनेटाईजर, हैण्डवाश, थर्मल स्कैनिंग एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित रखें। यदि किसी विद्यार्थी या शिक्षक या अन्य कार्मिक को खांसी, जुखाम या बुखार के लक्षण हों तो उन्हें प्राथमिक उपचार देते हुए घर वापस भेज दें। विद्यार्थियों को हैण्डवाश/हैण्ड सेनेटाईज कराने के पश्चात ही विद्यालय में प्रवेश दिया जाये। विद्यालय में प्रवेश के समय तथा छुट्टी के समय मुख्य द्वार पर सोशल डिस्टेसिंग का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये तथा एक साथ सभी विद्यार्थियों की छुट्टी न की जाये। विद्यालय में यदि एक से अधिक प्रवेश द्वार हैं तो उनका उपयोग सुनिश्चित किया जाये। यदि विद्यार्थी स्कूल बसों अथवा विद्यालय से सम्बद्ध सार्वजनिक सेवा वाहन से विद्यालय आते हैं तो उन्हें प्रतिदिन सेनेटाईज कराया जाये तथा बैठने की व्यवस्था में सोशल डिस्टेसिंग का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय। सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा विद्यालय के अन्य कर्मचारियों को मास्क पहनना अनिवार्य होगा एवं विद्यालय प्रबन्धन द्वारा अतिरिक्त मात्रा में मास्क उपलब्ध रखे जायें। विद्यार्थियों को 6 फीट की दूरी पर बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। ऑनलाइन पठन–पाठन की व्यवस्था यथावत जारी रखी जाये तथा इसे प्रोत्साहित किया जाये, जिन विद्यार्थियों के पास ऑनलाइन पठन–पाठन की सुविधा उपलब्ध नहीं है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर विद्यालय बुलाया जाये। यदि कोई विद्यार्थी आनलाइन अध्ययन करना चाहता है तो उसे सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। विद्यालय 2 पालियों में संचालित किए जायें। जिसमें प्रथम पाली में कक्षा 9 एवं 10 तथा द्वितीय पाली में कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों को पठन–पाठन हेतु बुलाया जाये। एक दिवस में प्रत्येक कक्षा के अधिकतम 50 प्रतिशत तक विद्यार्थियों को ही बुलाया जाय। अवशेष 50 प्रतिशत विद्यार्थियों को अगले दिन बुलाया जाये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी आर.बी. भास्कर, मुख्य चिकित्साधिकारी बृजेश राठौर, अपर जिलाधिकारी जे.पी. सिंह, समाज कल्याण अधिकारी शिव कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी बनवारी सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रतिभापाल तथा समस्त शिक्षा बोर्डो के प्रधानाचार्य उपस्थित थे।

कृष्ण जन्मभूमि से मस्जिद हटाने की याचिका मथुरा कोर्ट ने स्वीकार की

मथुरा (एजेसी)। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि से मस्जिद हटाने की याचिका कोर्ट ने स्वीकार कर ली। इस मामले में अगली सुनवाई अब 18 नवंबर को होगी। यह अपील जिला जज मथुरा साधनी रानी ठाकुर की कोर्ट में 12 अक्तूबर को दायर की गई थी। कोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान, ईदगाह ट्रस्ट, सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, शाही मस्जिद ईदगाह को नोटिस भी भेजा है। श्रीकृष्ण विराजमान 13.37 एकड़ जमीन के मालिकाना हक को लेकर दाखिल की गई याचिका को जिला जज साधना रानी ठाकुर ने स्वीकार कर लिया है। याचिका में पक्षकार बनाए यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, कमेटी ऑफ मेनेजमेंट ट्रस्ट शाही ईदगाह मस्जिद, श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट, श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने के आदेश न्यायालय ने दिए हैं।

न्यायालय का आदेश आने के बाद याचिका कर्ताओं ने खुशी जाहिर की है। श्रीकृष्ण विराजमान वाद भगवान श्रीकृष्ण विराजमान की सखा रंजना अग्निहोत्री, प्रवेश कुमार, राजेश मणि त्रिपाठी, तरूणेश कुमार शुक्ला, शिवाजी सिंह, त्रिपुरारी तिवारी की ओर से सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में 13.37 एकड़ जमीन के मालिकाना हक को लेकर वाद

दायर किया गया था। कोर्ट के छुट्टी पर होने के कारण इस मामले की सुनवाई अपर जिला जज एफटीसी की अदालत में हुई थी।

30 सितंबर को एडीजे एफटीसी ने इस अपील को यह कहते हुए खारिज कर दिया था,

कि भगवान के करोड़ों भक्त हैं, लिहाजा अपील को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। एडीजे एफटीसी के आदेश को जिला जज साधना रानी ठाकुर की अदालत में 12 अक्तूबर को चुनौती दी गई थी। अदालत ने वादी पक्ष को सुनने के बाद सुनवाई के लिए 16 अक्तूबर की तिथि निर्धारित की थी।

जिला जज ने अपील को अंगीकृत करते हुए यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, कमेटी ऑफ मेनेजमेंट ट्रस्ट शाही ईदगाह मस्जिद, श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट, श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान को नोटिस जारी किए हैं। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 18 नवंबर की तिथि निर्धारित की है।

अदालत का मिलने के बाद अधिवक्ता हरीशंकर जेन और विष्णु शंकर जेन और भक्त सखाओं ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसे पहली बड़ी जीत बताया है।

शिक्षामित्रों का नियमित शिक्षक बनने का सपना हुआ साकार

31277 शिक्षकों की नियुक्ति से प्रदेश भर में दीपावली से पहले दीपावली का माहौल

अलीगढ़ (एजेंसी)। मेहनत का कोई शॉर्टकट या विकल्प नहीं होता। मेहनत का फल सदैव मीठा होता है। यदि आप सही रास्ता चुनते हैं तो आगे का जीवन स्वर्णिम होता है। प्रदेश को ऐसा मुख्यमंत्री मिला है जो प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को अपनी समस्या समझकर उसका निराकरण करते हैं। उस प्रदेश के विकास को कोई नहीं रोक सकता जिस प्रदेश के मुख्यमंत्री की मुस्कराहट प्रदेश वासियों की मुस्कराहट देखकर आती हो। आज प्रदेश भर में दीपावली से पहले दीपावली का माहौल व्याप्त है, शिक्षित बेरोजगारों की वर्षों पुरानी उम्मीदों को पंख लगे हैं। प्रदेश के लोगों ने जो सोचा भी नहीं था वह सार्थक हो रहा है, ऐसे में दो ही नाम मोदी और योगी याद आते हैं।

उक्त उद्गार प्रदेश के मगन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री और जनपद प्रभारी मंत्री सुरेश राणा ने कलैक्ट्रेट सभागार में नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षकों को नियुक्ति प्रमाण–पत्र वितरण समारोह में व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में बहुत ही ऐतिहासिक दिन है और प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पूरा उत्तर प्रदेश हृदय से अभिनन्दन कर रहा है।

मुख्यमंत्री के निर्देशन में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में 31277 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये हैं, इसी क्रम में जनपद में भी 279 अध्यापकों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि वह नौनिहाल जिनके नाजुक कन्धों पर प्रदेश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है, देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है, उन नौनिहालों की शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिये, शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिये, तमाम परिषदीय विद्यालयों विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिये आज असाधारण संख्या में एक साथ शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये हैं। अध्यापकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कई नवनियुक्त अध्यापकों एवं उनके अभिभावकों ने बड़े ही प्रफुल्लित मन से कहा है कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले ही उत्तर प्रदेश में दीपावली कर दी है। जनपद प्रभारी मंत्री ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग ने एक लम्बी लड़ाई के बाद 69 हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है जिसके परिणामस्वरूप पूरे प्रदेश में 31277 एवं जनपद में 279 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये जा सके हैं। सरकार द्वारा भरपूर कोशिश की गयी कि 2019 में ही आप सभी शिक्षक के रूप में सेवा का अवसर प्रदान करें, परन्तु विभिन्न बाधाओं के चलते यह सम्भव न हो सका। आज प्रथम चरण में पूर्ण पारदर्शिता के साथ भ्रष्टाचार, जातिवाद से पूरी प्रक्रिया को दूर रखते हुए शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस पूरी भर्ती प्रक्रिया में काफी संख्या में ऐसे शिक्षामित्र भी हैं जो लगभग 16 साल से नियमित शिक्षक होने का सपना देख रहे थे।

आज प्रदेश सरकार की स्पष्ट एवं पारदर्शी नीति के चलते उनका सपना पूरा ही नहीं हुआ है बल्कि योग्यता को समान अवसर भी प्रदान हुआ है।

उन्होंने कहा कि शारदीय नवरात्र से एक दिन पूर्व आयोजित समारोह में आज आप सभी नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये हैं, विभाग द्वारा आपको जिस विद्यालय में भी सेवा का अवसर प्रदान किया जाए सहर्ष योगदान करते हुए देश एवं प्रदेश के भविष्य को संवारने में पूरी मेहनत, लगन एवं व्यक्तिगत रूचि के साथ अध्यापन कार्य करें। उन्होंने कहा कि जब नींव मजबूत होती है तो इमारत की खूबसूरती देखते ही बनती है। सांसद, विधायक समेत अन्य जनप्रतिनिधियों और कुशल प्रशासनिक अधिकारियों के नेतृत्व में अलीगढ़ में अनेकानेक विकास कार्य हुए हैं। वर्तमान शासनकाल में बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में 950 शिक्षकों की भर्ती, 1246 विद्यालयों का कायाकल्प, 253 विद्यालयों में अंग्रेजी पाठ्यक्रम की शुरूआत, स्मार्ट सिटी परियोजना में नगर क्षेत्र में 137 विद्यालयों का जीर्णोद्धार समेत कस्तूरबा विद्यालयों को समस्त बुनियादी सुविधाओं युक्त बनाया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा बच्चों की मानसिक पीड़ा को समझते हुए कॉन्वेंट स्कूल की भांति दो–दो जोड़ी यूनिफॉर्म, जूते, मोजे, स्वेटर, पाठ्य पुस्तकें प्रदान की जा रही हैं। समारोह से नवनियुक्त शिक्षकों को मिशन प्रेरणा के अन्तर्गत किये जा रहे अभिनव प्रयासों के बारे में फिल्म के माध्यम से जानकारी प्रदान की गयी।

मंत्री के हाथों मिले नियुक्ति पत्रः– कु. अंजली शर्मा, निवासी मिलिक, करूणा अलीगढ़, योगेश कुमार सूतमिल बीमानगर, निर्भय प्रताप सिंह, धनीपुर एवं जितेन्द्र शर्मा, चाऊपुर हौज अतरौली को मंत्री द्वारा प्रतीकात्मक रूप में नियुक्ति पत्र वितरित कर उनको उज्ज्वल भविष्य एवं खुशहाल जीवन की शुभकामनाएं दी गयीं।

कार्यक्रम में सांसद सतीश गौतम, विधायक बरौली ठा0 दलवीर सिंह, विधायक छर्रा ठा0 रवेन्द्रपाल सिंह, विधायक कोल अनिल पाराशर, विधायक शहर संजीव राजा, विधायक इगलास राजकुमार सहयोगी, विधायक खैर अनूप प्रधान, जिलाध्यक्ष चौ0 ऋषिपाल सिंह, महानगर अध्यक्ष विवेक सारस्वत, मानव महाजन समेत अन्य जनप्रतिनिधिगण, जिलाधिकारी चन्द्र भूषण सिंह, सीडीओ अनुनय झा, बीएसए लक्ष्मीकांत पाण्डेय समेत अन्य अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

बलिया हत्याकांड के आरोपी के समर्थन में आये भाजपा विधायक, कहा आत्मरक्षा में गोली चलाई

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के बलिया जिले के रेवती थाना क्षेत्र के दुर्जनपुर ग्राम में गुरुवार को सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के चयन के दौरान एक व्यक्ति की हत्या के मामले में भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह का कहना है कि आरोपी उसका सहयोगी है और उसने आत्मरक्षा में गोली चलाया था। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं विधायक रहूं या नहीं रहूं स्वाभिमान और संस्कृति की रक्षा जरूर करूंगा।

मृतक के भाई तेज बहादुर पाल का कहना है कि उधर से डब्लू सिंह उर्फ धीरेंद्र प्रताप सिंह के आदमी ने पहले पत्थर और डंडे चलाना शुरू कर दिया जिसके जवाब में इधर से भी झगड़ा हुआ। उधर से तीन आदमी फायरिंग कर रहे थे जिन्हें मैं नहीं पहचानता था। अजय सिंह भी गोली चला रहे थे। वहीं लोगों का कहना है कि धीरेंद्र सिंह ने जय प्रकाश पाल की हत्या की है। पुलिस ने मौके पर धीरेंद्र सिंह को पकड़ भी लिया था लेकिन उसे छोड़ दिया गया। लोगों का कहना है कि पुलिस ने कुछ दूर ले जाकर उन्हें छोड़ दिया। इस मामले में तीन उप निरीक्षक सहित नौ पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। जबकि पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस पर आरोप है कि उसने मौके पर आरोपी को पकड़ने के बाद छोड़ दिया है।

बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के वाहनों के फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं होंगे जारी

अलीगढ़ (एजेंसी)। प्रदेश सरकार ने राज्य में पंजी.त वाहनों के लिए नया आदेश जारी किया है।सरकार ने एनसीआर में पंजी.त वाहनों को हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगवाने के लिए 3 माह की मोहलत दी है।

आरटीओ प्रवर्तन फरीदुद्दीन ने बताया कि 3 महीने बाद जनवरी 2021 से बिना प्लेट लगे वाहनों को दंडित किया जाएगा।आदेश के मुताबिक नई गाड़ियों पर तुरंत हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाई जाए और पुराने वाहनों के लिए 3 महीने का वक्त दिया गया है।सभी रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस अथॉरिटी से कहा गया है कि कोई भी दस्तावेज जारी करने से पहले हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट को लगवाना सुनिश्चित करें।स.रकार ने सभी वाहन डीलरों को आदेश दिया था कि नए वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाकर दें।ऐसी गाड़ियां जिनके निर्माता व डीलर अब नहीं है,उन्हें प्लेट लगवाने के लिए आरटीओ कार्यालय में आवेदन कराना होगा।

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने को करना पड़ रहा लंबा इंतजार

अगर आप अपना लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस (प्रशिक्षु) बनवाना चाहते हैं तो इसके लिए इंतजार करना ही पड़ेगा।क्योंकि नया लाइसेंस बनवाने वाले आवेदकों को स्लॉट ही नहीं मिल पा रहा है।आलम यह है कि अब लाइसेंस के लिए अगले 3 महीने तक की कोई भी तारीख मिल पा रही है।इससे आवेदक खासे परेशान है।बता दें कि कोरोना संक्रमण के चलते लॉकडाउन अवधि में ड्राइविंग लाइसेंस बनाने पर रोक लगा दी गई थी।हालांकि,इस दौरान ऑनलाइन बुकिंग जारी रही। इससे लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों की लंबी लाइन लगी होने से नए आवेदकों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है।यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।इतना ही नहीं परमानेंट (स्थायी) व रिन्यूअल लाइसेंस के लिए भी एक–एक स्लॉट बुकिंग करने को मारामारी हो रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ऐतिहासिक झंडेवाला देवी मंदिर में धूमधाम से मनाया जायेगा शारदीय नवरात्र, तैयारियां पूरी

नयी दिल्ली। प्राचीन ऐतिहासिक झंडेवाला देवी मंदिर में शारदीय नवरात्र पर्व कल 17-10-2020 से आरंभ हो कर 25-10-2020 तक बडी धूमधाम से मनाया जायेगा। इस अवसर के लिये सभी तैयारियाँ पूरी हो चुकी हैं। 65 वर्ष से अधिक व 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों व गर्भवती महिलाओं को मंदिर में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। कोई दर्शनार्थी फूल माला या प्रसाद न लेकर आयें। हर व्यक्ति को उचित शारीरिक दूरी का ध्यान रखना होगा।
कोविड महामारी के चलते मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या को सीमित रखने एवं भक्तों की आस्था और सुविधा को ध्यान में रखकर झंडेवाला मंदिर की ओर से एक नई पहल की जा रही है। नवरात्र के प्रत्येक दिन झंडेवाला मंदिर से मां के स्वरूप के आठ रथ राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में जाएंगे, ताकि जो भक्त किसी भी कारण से मंदिर आने में असमर्थ हैं वह अपने ही क्षेत्र में मां झंडेवाली के दर्शन कर प्रसाद आशीर्वाद का सके।

दिल्ली में स्थानीय कारणों से 95 प्रतिशत वायु प्रदूषण, AAP सरकार जिम्मेदार: आदेश गुप्ता

नयी दिल्ली। दिल्ली भाजपा प्रमुख आदेश गुप्ता ने शुक्रवार को दावा किया कि पराली जलाये जाने से दिल्ली में सिर्फ पांच प्रतिशत, जबकि स्थानीय कारणों से 95 प्रतिशत प्रदूषण होता है और इसके लिये शहर की आम आदमी पार्टी सरकार जिम्मेदार है। गुप्ता ने कहा कि शहर में भाजपा शासित नगर निगम वायु प्रदूषण से अग्रिम मोर्चे पर मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार सिर्फ प्रचार में व्यस्त है। हालांकि, प्रदेश भाजपा नेतृत्व के दावे और आरोपों पर आम आदमी पार्टी (आप) नीत सरकार की फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। गुप्ता ने पार्टी शासित नगर निगमों के तीनों मेयरों के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली सरकार ने नगर निकायों का करीब 13,000 करोड़ रुपया बकाया रखा हुआ है। दिल्ली में शुक्रवार को सुबह 10 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 251 दर्ज किया गया। वहीं, बृहस्पतिवार को 24 घंटे का औसत 315 था, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है।

पश्चिमी महाराष्ट्र में बाढ़ का कहर, कई मकान क्षतिग्रस्त, अब तक 28 लोगों की मौत

पुणे। पश्चिमी महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश और उसके बाद आई बाढ़ में 2,300 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए और बड़े पैमाने पर फसल बर्बाद हो गई। इन जिलों में 21,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यहां के संभागीय आयुक्त कार्यालय के अनुसार, एक और शव बरामद होने केबाद बारिश संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या 28 हो गई। इस क्षेत्र में बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित जिला सोलापुर है, जहां इनमें से आधी मौतें हुई हैं। कार्यालय ने बताया कि पुणे, सोलापुर, सतारा और सांगली जिलों में 57,000 हेक्टेयर में फैले गन्ना, सोयाबीन, सब्जियों, चावल, अनार और कपास जैसी फसलों को नुकसान हुआ है। पुणे संभागीय आयुक्त कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस क्षेत्र में भारी बारिश और बाढ़ में लगभग 513 पशुओं की जान चली गई। उन्होंने बताया कि सोलापुर, सांगली, सतारा और पुणे जिलों में भारी बारिश और उसके बाद आई बाढ़ में कुल 2,319 मकान क्षतिग्रस्त हो गए।

शौर्य चक्र विजेता बलविंदर सिंह की गोली मारकर हत्या, घर पर अज्ञात बदमाशों ने बनाया निशाना

अमृतसर। शौर्य चक्र से सम्मानित बलविंदर सिंह की पंजाब के तरण तारण जिले में शुक्रवार को अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने सिंह पर उस समय हमला किया जब वह भीखीविंड गांव में अपने घर से लगे दफ्तर में थे। आरोपी मौके से फरार हो गये। सिंह (62) कई साल तक राज्य में आतंकवाद के खिलाफ बहादुरी से लड़ते रहे और आतंकवादियों ने पहले भी कई बार उन पर हमले किये थे। सिंह के भाई रंजीत सिंह ने बताया कि राज्य सरकार ने तरण तारण पुलिस की सिफारिश पर एक साल पहले उनका सुरक्षा घेरा वापस ले लिया था। उनका पूरा परिवार आतंकवादियों के निशाने पर रहा है। रक्षा मंत्रालय ने 1993 में सिंह को शौर्य चक्र से सम्मानित किया था। उनकी बहादुरी पर अनेक वृत्तचित्र बनाये जा चुके हैं।

गुलाम नबी आजाद कोरोना वायरस से संक्रमित, ट्वीट कर दी जानकारी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं और उन्होंने अपने आवास पर खुद को पृथक-वास में कर लिया है। उन्होंने शुक्रवार को ट्विटर के माध्यम से यह जानकारी दी। 71 वर्षीय आजाद ने कहा, 'जांच में मेरे कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। मैंने घर पर ही खुद को पृथक-वास में कर लिया है। पिछले कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आए लोग प्रोटोकॉल का अनुसरण करें।'' राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता आनंद शर्मा ने आजाद के कोरोना संक्रमित होने पर चिंता जताई और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। आजाद से पहले कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता कोविड की चपेट में आ चुके हैं। मोतीलाल वोरा, अहमद पटेल, अभिषेक मनु सिंघवी, पीएल पुनिया, तरूण गोगोई, आरपीएन सिंह तथा पार्टी के कुछ अन्य नेता पिछले कुछ महीनों में कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं।

बलिया गोलीकांड: उत्तर प्रदेश पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया, नौ पुलिसकर्मी निलंबित

बलिया। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रेवती थाना क्षेत्र के दुर्जनपुर ग्राम में बृहस्पतिवार को सरकारी सस्ते गल्ले के दुकान के चयन के दौरान एक व्यक्ति की हत्या के मामले में तीन उप निरीक्षक सहित नौ पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है जबकि इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है। मामले का मुख्य आरोपी अब भी फरार है और पुलिस उप महानिरीक्षक ने इस घटना में पुलिस की लापरवाही को स्वीकार किया है। दूसरी तरफ बैरिया से भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह ने रेवती कांड की पुलिसिया जांच पर सवालिया निशान लगाते हुए इसकी सीबी-सीआईडी से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा कि रेवती कांड के मामले में पुलिस एक पक्षीय कार्रवाई कर रही है।

इस मामले पर बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। अपर पुलिस अधीक्षक संजय कुमार यादव ने शुक्रवार को बताया कि बृहस्पतिवार को रेवती थाना क्षेत्र के दुर्जनपुर ग्राम में सरकारी सस्ते गल्ले के दुकान के चयन के दौरान हुई घटना के मामले में लापरवाही बरतने पर रेवती थाने में तैनात तीन उप निरीक्षकों (सूर्य कांत पांडेय, सदानन्द यादव व कमला सिंह यादव) तथा छह अन्य आरक्षियों को निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में पहले ही उप जिलाधिकारी सुरेश चंद्र पाल व पुलिस उपाधीक्षक चन्द्रकेश सिंह को निलंबित कर दिया था।

अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी की आख्या से स्पष्ट है कि अभियुक्त गण स्थल पर असलहा लेकर आये और पुलिस उपाधीक्षक चन्द्रकेश सिंह व अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए थे। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रेवती थाने में चंद्रमा पाल की शिकायत पर धीरेंद्र प्रताप सिंह डब्ल्यू, उनके भाई नरेन्द्र प्रताप सिंह सहित आठ लोगों को नामजद किया गया था। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 20 से 25 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्धमुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने फिलहाल पांच लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दबिश दी जा रही है, लेकिन मुख्य आरोपी धीरेंद्र समेत सभी फरार हैं।

अपर पुलिस महानिदेशक ब्रजभूषण व पुलिस उप महानिरीक्षक सुभाष चंद्र दूबे बलिया पहुँच गये हैं। उन्होंने घटना स्थल का दौरा किया। पुलिस उप महानिरीक्षक सुभाष चंद्र दूबे ने पत्रकारों को बताया कि इस घटना में प्रथम दृष्ट्या पुलिस की लापरवाही सामने आई है। रेवती थाना क्षेत्र के दुर्जनपुर ग्राम में बृहस्पतिवार को हुई घटना में मृतक जय प्रकाश पाल उर्फ गामा के भाई तेज प्रताप पाल ने पुलिस पर गम्भीर आरोप लगाये है। पाल ने पत्रकारों को बताया कि घटना के बाद पुलिस की भूमिका बेहद शर्मनाक रही है। उन्होंने दावा किया कि घटनास्थल पर दस पुलिसकर्मी मौजूद थे, जिसमें दो महिला पुलिस कर्मी भी थी।

उन्होंने कहा कि पुलिस आरोपियों को बचा रही थी और हम लोगों को पीट रही थी। आरोपी धीरेंद्र प्रताप सिंह गोली मारकर भाग रहा था तो पुलिस ने उसे पीछे से पकड़ लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने धीरेंद्र प्रताप को बंधे पर ले जाकर छोड़ दिया और उसे फरार करा दिया। भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह ने रेवती कांड की पुलिसिया जांच पर सवालिया निशान लगाते हुए इसकी सीबी-सीआईडी जांच की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को यहां आरोप लगाया कि रेवती कांड के मामले में पुलिस एक पक्षीय कार्रवाई कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कल हुई घटना में दूसरे पक्ष के भी छह व्यक्ति घायल हुए हैं, जिसमें एक का उपचार वाराणसी में चल रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने दूसरे पक्ष की शिकायत पर कोई कार्रवाई नही की। उनकी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग है कि इस मामले की सीबी-सीआईडी से जांच करायी जाय। उन्होंने जानकारी दी कि वह इस मसले पर मुख्यमंत्री को पत्र लिखेंगे तथा उनसे मिलकर भी अनुरोध करेंगे। बैरिया क्षेत्र के भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह ने धीरेंद्र को भाजपा के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष बताया था। उधर बलिया में सस्ते गल्ले की दुकान के चयन को लेकर बुलाई गयी बैठक में गोली चलने की घटना पर बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को गहरी चिंता जताते हुये कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था दम तोड़ चुकी है।

उन्होंने शुक्रवार को ट्वीट किया कि उत्तर

प्रदेश के बलिया में हुई घटना अति-चिन्ताजनक तथा अब भी महिलाओं एवं बच्चियों पर आये दिन हो रहे उत्पीड़न आदि से यह स्पष्ट हो जाता है कि यहाँ कानून-व्यवस्था दम तोड़ चुकी है। सरकार इस ओर ध्यान दे तो यह बेहतर होगा। बसपा की की यह सलाह। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा, बलिया में सत्ताधारी भाजपा के एक नेता के एसडीएम और सीओ के सामने खुलेआम एक युवक की हत्या कर फरार हो जाने से उप्र में कानून व्यवस्था का सच सामने आ गया है। अब देखे क्या एनकाउंटर वाली सरकार अपने लोगों की गाड़ी भी पलटाती है या नही।

किसान कल्याण उत्तर प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। पंजाब और हरियाणा में तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में किसान कल्याण और कृषि क्षेत्र का विकास उनकी सरकार की शीर्ष प्राथमिकताएं है। उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार द्वारा उठाये गये किसान हितैषी कदम गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन में भी बिना किसी अवरोध के किसानों की उपज की खरीद सुनिश्चित की।

आदित्यनाथ ने सीआईआई के एक ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में कोविड-19 से बचाव के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए 100 से अधिक चीनी मिलों ने सफलतापूर्वक काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान रबी की फसल कटाई के लिए तैयार हुई, राज्य सरकार ने किसानों को उनके उत्पाद बेचने में मदद के लिए 6,000 खरीद केंद्र बनाये और इन केंद्रों ने सभी सावधानियों का पालन करते हुए सफलतापूर्वक काम किया।

उन्होंने कहा कि इन केंद्रों ने 36 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खरीफ की फसल के लिए भी 4,000 खरीद केंद्र बनाये गये हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अगले चार साल में किसानों की उपज के सुरक्षित भंडारण के लिए जमीनी स्तर पर 5,000 से अधिक गोदाम बनाने का फैसला भी किया है।

लड़कियों की शादी की न्यूनतम आयु में बदलाव की तैयारी कर रही केंद्र सरकार, पीएम मोदी ने कही बड़ी बात

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि लड़कियों की शादी की उपयुक्त उम्र को लेकर गठित की गई समिति की रिपोर्ट आते ही सरकार इस पर कार्रवाई करेगी। प्रधानमंत्री ने यह बात वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा, ''बेटियों की शादी की उचित उम्र क्या हो, ये तय करने के लिए भी चर्चा चल रही है। मुझे देशभर की जागरूक बेटियों की चिट्ठियां आती हैं कि जल्दी से निर्णय कीजिए। मैं उन सभी बेटियों को आश्वासन देता हूं कि बहुत ही जल्द रिपोर्ट आते ही उस पर सरकार अपनी कार्रवाई करेगी।'' मालूम हो कि 15 अगस्त को इस साल लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में मोदी ने लड़कियों की शादी की उपयुक्त उम्र तय करने के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था, ''बेटियों में कुपोषण खत?म हो, उनकी शादी की सही आयु क?या हो, इसके लिए हमने कमेटी बनाई है। उसकी रिपोर्ट आते ही बेटियों की शादी की उम्र के बारे में भी उचित फैसले लिए जाएंगे।''

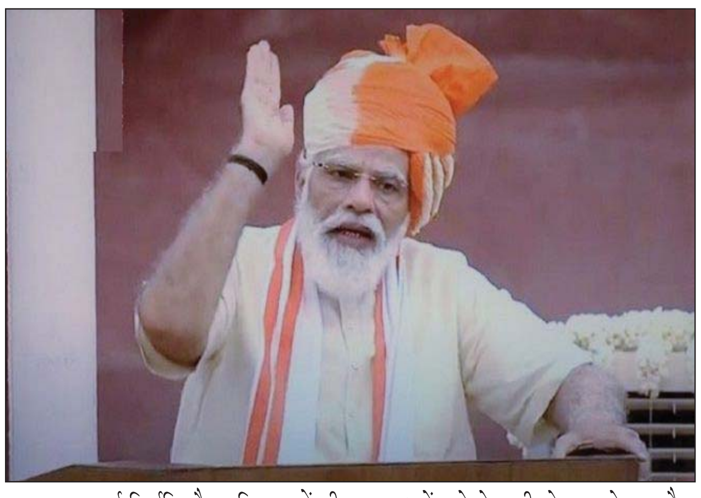

देश में अभी लड़कियों की शादी की कम से कम उम्र 18 वर्ष निर्धारित है जबकि लड़कों की उम्र सीमा 21 वर्ष है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने आज कहा कि छोटी आयु में गर्भ धारण करना, शिक्षा की कमी, जानकारी का अभाव, शुद्ध पानी न होना, स्वच्छता की कमी, ऐसी अनेक वजहों से कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में जो अपेक्षित परिणाम मिलने चाहिए थे, वह नहीं मिल पाए। उन्होंने कहा कि देश में अलग-अलग स्तर पर कुछ विभागों द्वारा प्रयास हुए थे, लेकिन उनका दायरा या तो सीमित था या टुकड़ों में बिखरा पड़ा था। उन्होंने कहा, ''जब 2014 में मुझे देश की सेवा करने का मौका मिला तब मैंने देश में नए सिरे से प्रयास शुरू किए गए। हम एकीकृत सोच लेकर आगे बढ़े, होलिस्टिक अप्रोच लेकर आगे बढ़े। तमाम बाधाओं को समाप्त करके हमने एक बहुआयामी रणनीति पर काम शुरू किया।'' उन्होंने कहा, ''कुपोषण से निपटने के लिए एक और महत्वपूर्ण दिशा में काम हो रहा है। अब देश में ऐसी फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है जिसमें पौष्टिक पदार्थ- जैसे प्रोटीन, आयरन, जिंक इत्यादि ज्यादा होते हैं।

सीएम केजरीवाल बोले, दिल्ली में ज्यादा कॉलेज-विश्वविद्यालय खोलने की है जरूरत

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में प्रवेश के लिए उच्च कट-ऑफ पर चिंता व्यक्त करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को पत्र लिखकर दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन करने का अनुरोध किया है ताकि महानगर में और अधिक कॉलेज तथा विश्वविद्यालय स्थापित किए जा सकें। एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, केजरीवाल ने कहा कि छात्रों को उच्च शिक्षा के अधिक अवसर प्रदान करने के लिए दिल्ली में और अधिक कॉलेज तथा विश्वविद्यालय खोलने की आवश्यकता है। केजरीवाल ने कहा, ''दिल्ली में हर साल लगभग 2.5 लाख छात्र 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं और उनमें से केवल 1.25 लाख छात्रों को ही शहर के कॉलेजों में प्रवेश मिलता है।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध 91 कॉलेज और संस्थान हैं, जबकि पेशेवर डिग्री प्रदान करने वाले आईपी विश्वविद्यालय में 127 कॉलेज और संस्थान हैं। उन्होंने कहा कि डीयू अधिनियम की धारा 5 (2) के तहत शहर में स्थापित नए कॉलेजों को दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध करना होगा। केजरीवाल ने दावा किया कि पिछले 30 वर्षों में, डीयू ने किसी भी नए कॉलेज को अपनी संबद्धता नहीं दी है। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से डीयू अधिनियम की धारा 5 (2) में संशोधन करने का अनुरोध किया है, ताकि शहर में और कॉलेज और विश्वविद्यालय स्थापित किए जा सकें।

विष्णुदत्त शर्मा का दिग्विजय सिंह पर हमला, बताया आज के भारत का सबसे बड़ा जयचंद

इंदौर। (एजेंसी)।

राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह पर तीखा हमला बोलते हुए भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को उन्हें ''समकालीन भारत का सबसे बड़ा जयचंद बताया।'' इसके साथ ही, उन्होंने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को चुनौती दी कि वह 28 विधानसभा सीटों के लिए तीन नवंबर को होने वाले उप चुनावों के प्रचार में 73 वर्षीय कांग्रेस नेता को उतार कर दिखाएं। शर्मा ने इंदौर शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर सांवेर में संवाददाताओं से कहा, हमारे सैनिकों पर पाकिस्तान के लोगों के आक्रमण का जवाब देने के लिए (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों के खिलाफ) हुई सर्जिकल स्ट्राइक पर भारत में जश्न मनता है। हमारे देश के लोग सेना को सलाम करते हैं और दिग्विजय सिंह कहते हैं कि उन्हें इसका सबूत चाहिए। उन्होंने कहा, दिग्विजय सिंह आज के भारत के सबसे बड़े जयचंद हैं। ऐसे जयचंदों का चरित्र मध्य प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश की जनता पहचानती है। शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, कमलनाथ गलती से मुख्यमंत्री बन गए थे। परदे के पीछे दिग्विजय ही राज्य की कांग्रेस सरकार चला रहे थे। लेकिन उप चुनावों के दौरान दिग्विजय कहां हैं? उन्होंने कहा, कमलनाथ अब उन्हीं दिग्विजय को चुनावी मैदान में लेकर आएं जिनके इशारे पर वह सरकार चला रहे थे। दिग्विजय को जनता के सामने लाने से कमलनाथ डरते क्यों हैं? खजुराहो सीट की लोकसभा में नुमाइंदगी करने वाले 50 वर्षीय भाजपा नेता ने 1975 में लगाये गये आपातकाल का हवाला देते हुए कहा, आप उन लोगों से लोकतंत्र की भला क्या अपेक्षा कर सकते हैं, जिन्होंने आपातकाल लगाकर देश में लोकतंत्र की हत्या कर दी थी। आपातकाल के दौरान कमलनाथ, इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी के सबसे बड़े रणनीतिकार थे। प्रदेश के आसन्न उप चुनावों के लिए भाजपा के घोषित स्टार प्रचारकों की सूची में राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया को अन्य वरिष्ठ नेताओं के मुकाबले निचले क्रम पर रखा गया है। इस बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा, भाजपा एक पद्धति के आधार पर काम करती है। भाजपा में सिंधिया का अन्य वरिष्ठ नेताओं जितना ही महत्वपूर्ण स्थान है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कमलनाथ की अगुवाई वाली पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर कृषि कर्ज माफी में नाकाम रहने का आरोप लगाया और कहा कि महज 15 महीने चल सकी इस सरकार का किसानों से सरोकार कभी नहीं रहा।

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान की भूमि से संबंधी याचिका कोर्ट ने की स्वीकार, 18 नवंबर को होगी सुनवाई

मथुरा। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में स्थित शाही ईदगाह मस्जिद को हटाकर उक्त भूमि वापस उसके मालिक श्रीकृष्ण जन्मस्थान ट्रस्ट को सौंपे जाने के अनुरोध वाली जिला न्यायाधीश की अदालत में दाखिल की गई याचिका शुक्रवार को सुनवाई के लिए मंजूर कर ली गई। लखनऊ निवासी अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री

और छह अन्य लोगों ने सोमवार को जिला न्यायाधीश साधना ठाकुर की अदालत में यह याचिका सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता हरीशंकर जैन और विष्णु जैन के माध्यम से दाखिल की थी। इस पर सुनवाई करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया। अधिवक्ता जैन ने बताया, ''जब हम लोगों ने इस संबंध में एक याचिका मथुरा के ही दिवानी न्यायाधी (प्रवर वर्ग) की अदालत में 25 सितम्बर को दाखिल की तो वहां प्रभारी दिवानी न्यायाधीश (अपर जिला एवं त्वरित न्यायालय संख्या दो) ने 30 सितम्बर को दिए फैसले में इस तर्क के साथ याचिका खारिज कर दी कि याची न तो उक्त ट्रस्ट का सदस्य है और न ही मामले में किसी पक्ष से संबंधित है।'' उन्होंने बताया कि उसके विरूद्ध याचिकाकर्ताओं ने अपील की जिस पर फैसला देते हुए जिला न्यायाधीश ने उनकी याचिका मंजूर कर ली और अगली सुनवाई के लिए 18 नवम्बर की तिथि भी सुनिश्चित कर दी।

पराली जलाने से रोकने के लिए पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में सुप्रिम कोर्ट ने बनाई कमेटी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने पंजाब ,हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाने पर रोक संबंधी कदम उठाने के लिए शीर्ष न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश मदन बी लोकुर की अध्यक्षता में एक सदस्यीय समिति शुक्रवार को गठित की। मुख्य न्यायाधीश एस ए बोबडे की अगुवाई वाली पीठ ने समिति के सहयोग के लिए राष्ट्रीय कैडट कोर(एनसीसी) और राष्ट्रीय सेवा योजना और भारत स्काउट्स की तैनाती के निर्देश दिए साथ ही समिति के गठन पर सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता कीआपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि संबंधित राज्यों की दलीलें सुनी जा चुकी हैं। न्यायालय ने अदालत द्वारा नियुक्त पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकार (ईपीसीए) तथा हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को उन खेतों की निगरानी में लोकुर समिति की मदद करने का निर्देश दिया जिनमें पराली जलाई जाती है। पीठ में न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियनभी शामिल हैं।

पीठ ने कहा,'' हम बस इतना चाहते हैं कि दिल्ली और एनसीआर के लोग बिना किसी प्रदूषण के स्वच्छ हवा में सांस ले सकें।'' केन्द्र, उत्तर प्रदेश और हरियाणा की ओर से पेश मेहता ने पीठ से कहा कि एक सदस्यीय समिति के गठन से उन्हें ''कुछ आपत्तियां'' हो सकती हैं साथ ही कहा कि ईपीसीए को पराली जलाने से रोकने के लिए निगरानी प्राधिकार होना चाहिए। मेहता ने कहा,'' हमें पूर्व न्यायाधीश लोकुर को परेशान नहीं करना चाहिए।'' उन्होंने पीठ से मामले की सुनवाई दशहरे की छुट्टी के बाद करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र और संबंधित राज्यों को समिति गठित करने के संबंध में कोई नोटिस जारी नहीं किया गया था। केन्द्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ से कहा कि न्यायालय समिति के सदस्य का चयन नामों के एक पैनल से कर सकता है। शीर्ष अदालत ने संबंधित राज्यों को निर्देश दिया कि वे लोकुर समिति को पर्याप्त सुरक्षा, सचिवालयीय अवसंरचना और परिवहन प्रदान करें। अदालत ने समिति को अपनी रिपोर्ट हर पखवाड़े पेश करने के निर्देश दिए। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान न्यायमूर्ति मदन लोकूर ने पराली जलाने के पहलू सहित प्रदूषण से जुड़े मामलों की सुनवाई की थी। पीठ पराली जलाने की वजह से प्रदूषण की स्थिति को लेकर आदित्य दुबे की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

लालू परिवार पर बरसे नीतीश कुमार, कहा- पति-पत्नी के राज में रोज होती थी आपराधिक घटनाएं

ईमामगंज/ओबरा। (एजेंसी)।

विपक्ष पर 'काम करने की आदत और समझ नहीं' होने का आरोप लगाते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को दावा किया कि पिछले 15 वर्ष में उनकी सरकार ने सड़क, स्वास्थ्य, बिजली सहित हर क्षेत्र में विकास किया और राज्य की स्थिति पहले से काफी बदली है। गया के ईमामगंज और औरंगाबाद के ओबरा में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा, '' 15 साल से हमें काम करने का मौका मिला। हमने हर क्षेत्र में काम और विकास किया है, चाहे सड़क हो, शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, बिजली हो, पानी हो। हर बार कुछ ज्यादा करने की कोशिश की है।'' लालू यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हमसे पहले पति-पत्नी को राज करने का मौका मिला लेकिन पहले कानून का राज नहीं था और आपराधिक घटनाएं होती थी। उन्होंने कहा, '' पहले जो स्थिति थी और आज जो स्थिति है..... उसमें बहुत अंतर है। ''

विपक्ष पर निशाना साधते हुए बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि जिसको कोई काम करने की आदत नहीं है, न ही कोई समझ है, वे कुछ भी बोलते रहते है। कुमार ने विपक्ष द्वारा की जा रही अपनी आलोचनाओं को कोई तव्वजो न देते हुए कहा कि उनके ऊपर बोलने से किसी को प्रचार मिलता है तो वे ऐसा करते रहें। अपनी सरकार के कार्यो का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमने बिहार का बहुमुखी विकास किया है और प्रति व्यक्ति आमदनी में साढ़े दस प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, '' हमने कहा था कि न्याय के साथ विकास, हर वर्ग का विकास, हर क्षेत्र का विकास और हमने वह किया है। '' कुमार ने राज्य में महिलाओं के सशक्तिकरण के कार्यो का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने उन्हें आरक्षण दिया और आज पंचायती राज में महिला जनप्रतिनिधि बनी हैं। उन्होंने कहा कि पहले बिहार पुलिस बल में महिलाएं न के बराबर थीं और आज बिहार पुलिस बल में जितनी महिला पुलिसकर्मी हैं, शायद ही देश के किसी राज्य में होंगी। उन्होंने कहा कि हर तबके हर समुदाय को हमने विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है और महिलाओं समेत हर वर्ग के उत्थान के लिए हमने विशेष पहल की तथा दुनिया के कई मुल्कों से आकर लोगों ने हमारी साईकल योजना का अध्ययन किया।

इसे भी पढ़ें- पहले जातिवाद की बात होती थी, अब जनता को रिपोर्ट कार्ड दिखाना होता है- जेपी नड्डा

नीतीश कुमार ने कहा कि अगर उन्हें फिर मौका मिला तो वह'सात निश्चय द्वितीय चरण' के तहत जन कल्याण के कार्यो को आगे बढ़ायेंगे। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही कहा है कि हर खेत तक पानी पहुंचाएंगे और इस बार मौका मिलेगा तो निश्चित ही हर खेत तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचा देंगे। कुमार ने कहा, '' कई वृद्ध परिवार में नहीं रह पाते हैं। अगर घर में उनकी इज्जत नहीं हो रही है तो सरकार उनकी इज्जत करेगी और सभी के लिए वृद्धाश्रम का निर्माण करेंगे। कोई बूढ़ी महिला, कोई बुजुर्ग भटकने को मजबूर नहीं होगा। '' उन्होंने इस संबंध में गरीबों, खास कर महिलाओं की आर्थिक मजबूती के लिये शुरू जीविका समूहों के गठन की योजना का भी जिक्र किया। कुमार ने कोरोना संक्रमण के समय बाहर से राज्य में आने वाले यहां के श्रमिकों को पहुंचायी गई सहायता का भी जिक्र किया और कहा कि यह देश सबका है, सबका अधिकार है कि इस देश में कहीं भी जाकर रहें एवं कमाएं। उन्होंने कहा, ''हम किसी को प्रवासी नहीं मानते।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)